मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 9 अंक 131
सोमवार, 23 नवम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

राहुल गांधी ने भाजपा-आरएसएस पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 22 नवम्बर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बीजेपी और आरएसएस पर निशाना साधा है। उन्होंने बीजेपी और आरएसएस को असभ्य, लालची, जातिवादी और पुरुष-प्रधान सोच वाले करार दिया और आरोप लगाया है कि उन्हें भारत की आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं को कोई समझ नहीं है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की गई एक पोस्ट में लिखा, मैं भारतीय आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं को जितना गहराई से समझता हूं, उतनी ही चीजें स्पष्ट होती जाती हैं। बीजेपी और आरएसएस असभ्य, लालची, जातिवादी और पुरुष-प्रधान सोच वाले लोग हैं, जिन्हें हमारी आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं की बिल्कुल भी समझ नहीं है।

राहुल गांधी ने एक तस्वीर भी साझा की है, जिसमें भगवान शिव और देवी पार्वती को अर्धनारीश्वर रूप में दशार्या गया है। अर्धनारीश्वर हिंदू धर्म का एक स्वरूप है, जिसमें भगवान शिव और देवी पार्वती एक ही शरीर में समाहित हैं। इसमें आधा हिस्सा पुरुष का और आधा हिस्सा स्त्री का है।

राहुल गांधी की यह टिप्पणी तब आई है, जब उन्होंने अपनी मां सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंग-अ जर्नी ऑफ लव के विमोचन के दौरान अपने माता-पिता के रिश्ते को लेकर बयान दिया था। इस बयान को लेकर उनकी काफी आलोचना हुई थी।

अपने बचपन को याद करते हुए उन्होंने बताया कि उनके माता-पिता खाना खाते समय एक साथ बैठते थे, और उनकी मां अक्सर उनके पिता की गोद में बैठती थीं। उन्होंने कहा, मुझे लगा कि यह एक सामान्य बात है। जब मैं अपने दोस्तों के घर जाता था, तो उनके माता-पिता को एक-दूसरे की गोद में नहीं देखता था। तब मैं अपने दोस्तों से पूछता था, अरे,



यह क्या हो रहा है? तुम्हारी मां तुम्हारे पिता की गोद में क्यों नहीं बैठतीं। उन्होंने आगे कहा, और फिर हमने देखा कि यह सब कैसे बिखर गया। धीरे-धीरे नहीं, बल्कि अचानक हमने देखा कि हमारी एक मुख्य आधार (इंदिरा गांधी) को गोली मार दी गई, और फिर हमारे सबसे बड़े आधार (राजीव गांधी) को बम से उड़ा दिया गया।

राहुल गांधी की इन टिप्पणियों पर भाजपा नेताओं ने कड़ी आलोचना की है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भी कांग्रेस नेता पर निशाना साधा। एक्स पर पोस्ट कर हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, वह आपके जीवन के इतने खास दिन पर भी आपको शर्मिंदगी से नहीं बचा पाए। देश को तो यह बात बहुत पहले ही समझ आ गई थी। उम्मीद है कि अब आप भी इसे समझ जाएंगी; यह प्रोडक्ट अब लॉन्च या री-लॉन्च होने लायक नहीं बचा है।

इस पर पलटवार करते हुए राहुल ने कहा कि डर, गुस्से और नफरत ने बीजेपी और आरएसएस समर्थकों के दिलों में एक जाल बुन दिया है, जो उन्हें प्यार जाहिर करने से रोकता है। उन्होंने एक 12वीं सदी के एक मंदिर की मूर्ति की तस्वीर भी शेयर की, जिसमें देवी पार्वती भगवानशिव की गोद में बैठी हुई दिखाई दे रही हैं।

उन्होंने कहा, एक सच्चे हिंदू के तौर पर, मेरा फर्ज है कि मैं उन्हें इस जाल से आजाद करूं, ताकि वे भी अपने जीवन में प्यार और अपनापन की अद्भुत सुंदरता और आनंद को महसूस कर सकें। सत्यम शिवम सुंदरम। कांग्रेस ने राहुल की टिप्पणी का समर्थन करते हुए कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता ने एक बहुत जरूरी बातचीत की शुरूआत की है।

पार्टी ने एक्स पर एक पोस्ट में राहुल की टिप्पणी को टैग करते हुए लिखा, प्यार को छिपाने की जरूरत नहीं होती, स्नेह कोई कमजोरी नहीं है, और समानता की शुरूआत अपने साथी को बराबर का दर्जा देने से होती है।

श्रद्धालुओं से भरी ट्रॉली पलटने से 3 लोगों की मौत, 30 से अधिक लोग घायल; मची चीख पुकार

सागर, 22 नवम्बर। मध्यप्रदेश के सागर जिले में रविवार को श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली के अनियंत्रित होकर पलटने से 17 वर्षीय लड़की और 65 वर्षीय महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 30 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, हादसा जिला मुख्यालय से करीब 55 किलोमीटर दूर गौरझामर थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर स्थित नीम घाटी में हुआ। उन्होंने बताया कि घायलों में दो से तीन लोगों की हालत गंभीर है और उन्हें बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गौरझामर थाना प्रभारी नसीर फारूकी ने घटनास्थल से फोन पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया, नर्मदा नदी में स्नान करने के बाद नरसिंहपुर जिले के बरमान घाट से लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-



ट्रॉली अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 30 से अधिक लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंच गईं तथा घायलों को उपचार के लिए देवरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान ट्रैक्टर चालक राकेश यादव (49), रक्षा प्रजापति (17) और प्रेमरानी यादव (65) के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह चालक की लापरवाही प्रतीत हो रही है। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना संभावित क्षेत्र में ढलान पार करते समय ट्रैक्टर की गति तेज होने के कारण यह हादसा हुआ। फारूकी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और मामले की जांच जारी है।

यूपी में गठबंधन का गणित शुरू, अखिलेश यादव ने उतारी 4 नेताओं की टीम; अब सीटों पर होगी बात

नई दिल्ली, 22 नवम्बर। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सोमवार से सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत शुरू होगी। इसके लिए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चार सदस्यों की एक कमेटी बनाई है। इस कमेटी की अगुवाई सपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव रामगोपाल यादव करेंगे। कमेटी में रामगोपाल यादव के अलावा सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, सांसद राजीव राय और सांसद इकरा हसन चौधरी को शामिल किया गया है। सपा की यह कमेटी कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के साथ सीटों के बंटवारे पर बातचीत करेगी। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के मुताबिक, 23 और 24 नवंबर को



दोनों पार्टियों के प्रतिनिधिमंडल की बैठक होगी। उन्होंने कहा कि हर सीट पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। राजेंद्र पाल गौतम ने कहा, एक-एक सीट पर तार्किक चर्चा होगी। इसके बाद हम सौहार्दपूर्ण और सम्मानजनक समझौता करेंगे। उत्तर प्रदेश की जनता को इस तानाशाह सरकार से मुक्ति दिलाने के लिए सपा और कांग्रेस के साथ पूरा इंडिया गठबंधन मिलकर चुनाव लड़ेगा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पहले ही साफ कर चुके हैं कि सीटों का बंटवारा जीत की संभावना के आधार पर होगा। जिस सीट पर जिस पार्टी या उम्मीदवार की स्थिति मजबूत होगी, उसे वहां से चुनाव लड़ने का मौका दिया जाएगा। समाजवादी पार्टी इस बार मजबूत उम्मीदवारों का चयन करने के लिए आंकड़ों का विश्लेषण करने वाले विशेषज्ञों की मदद भी ले रही है।

दीपोत्सव की तैयारी में शहर की रफ्तार पर ब्रेक, ट्रैफिक बंदिशों से भड़का आक्रोश

◆एयर शो की अव्यवस्था से भी सबक नहीं, चार पांच घंटे पहले रास्ते बंद करने की तैयारी से नागरिकों में नाराजगी; चुनावी माहौल में जनप्रतिनिधियों की बढ़ सकती है मुश्किल

सुरेश गांधी

वाराणसी। देव दीपावली पर काशी के घाटों को दीपों से सजाने और लाखों श्रद्धालुओं व पर्यटकों के स्वागत की तैयारियां जोरों पर हैं, लेकिन उत्सव से पहले ही शहर की सड़कों पर ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर नाराजगी गहराने लगी है। घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों पर यातायात नियंत्रित करने के बजाय निर्धारित समय से चार-पांच घंटे पहले ही पूरे शहर में आवागमन बंद करने की आशंका ने नागरिकों की चिंता बढ़ा दी है। लोगों का साफ कहना है कि सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के नाम पर आम जनजीवन को घंटों बंधक बना देना किसी भी सूरत में न्यायसंगत नहीं है। आस्था के आयोजन में श्रद्धालुओं की सुविधा जितनी जरूरी है, उतनी ही जरूरी शहर के लाखों स्थानीय नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी भी है। नागरिकों की नाराजगी की एक बड़ी वजह हाल ही में आयोजित एयर शो के दौरान सामने आई अव्यवस्था भी है। उस दौरान सुबह नौ बजे से ही शहर की कई प्रमुख सड़कों पर बैरिकेडिंग कर आवागमन रोक दिया गया था। नतीजा यह हुआ कि लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए 10 से 15 किमी तक पैदल चलना पड़ा। बुजुर्गों, महिलाओं, मरीजों, नौकरीपेशा लोगों और जरूरी काम से निकले नागरिकों को भारी परेशानी उठानी पड़ी थी। अब देव दीपावली



पर भी यदि उसी तरह की व्यवस्था दोहराई गई तो शहरवासियों का गुस्सा और बढ़ना तय है।

खास बात यह है कि देव दीपावली की तैयारियों को लेकर हुई समीक्षा बैठक में प्रदेश के मंत्री एवं शहर उत्तरी के विधायक रविंद्र जायसवाल ने यातायात व्यवस्था को लेकर स्पष्ट निर्देश दिए हैं। उन्होंने एसपी ट्रैफिक से कहा है कि गंगा घाटों तक पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। घाटों की ओर जाने वाले मार्गों पर बड़े वाहनों को रोका जाए, लेकिन रास्तों को बहुत पहले से बंद न किया जाए। यातायात प्रतिबंध भीड़ और जरूरत के मुताबिक लागू हों, न कि निर्धारित समय से घंटों पहले।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि रास्ता रोकने के दौरान श्रद्धालुओं के साथ किसी प्रकार का दुर्व्यवहार न हो। घाटों तक लोगों की पहुंच आसान बनाने के लिए टोटो का संचालन भी जारी रखा जाए, ताकि बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को पैदल लंबी दूरी तय न करनी पड़े। इसके बावजूद नागरिकों के मन में सवाल है कि क्या प्रशासन इन निदेर्शों को जमीन पर उतारेगा या फिर पुराने ढर्रे पर ही यातायात व्यवस्था संचालित होगी? लोगों का कहना है कि यदि घाटों के आसपास भीड़ नियंत्रित करने के लिए कुछ मार्गों पर प्रतिबंध जरूरी है तो उसे संबंधित मार्गों तक ही सीमित रखा जाना चाहिए। पूरे शहर को एक साथ यातायात प्रतिबंधों की जद में लेना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि नई समस्या पैदा करना है।

काशी की देव दीपावली अब केवल स्थानीय धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय पर्यटन और सांस्कृतिक पहचान का बड़ा उत्सव बन चुकी है। देश-दुनिया से लाखों लोग इस अद्भुत दृश्य को देखने पहुंचते हैं। ऐसे में सुरक्षा, यातायात नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

जेकेएसएसबी परीक्षा नकल मामले में 6 और गिरफ्तार, 6 सरकारी कर्मचारियों समेत कुल 20 आरोपी हिरासत में

कश्मीर। जम्मू-कश्मीर सेवा चयन बोर्ड (जेकेएसएसबी) द्वारा हाल ही में आयोजित वित्त लेखा सहायक (एफएए) परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में छह और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही मामले में गिरफ्तार आरोपियों की कुल संख्या 20 हो गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि नकल का मामला एक विशेष परीक्षा केंद्र तक सीमित था और यह प्रश्नपत्र लीक होने का मामला नहीं है इसने कहा कि आरोपियों में गिरोह के मुख्य सरगना समेत छह सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि प्रश्नपत्र कथित तौर पर परीक्षा केंद्र से बाहर ले जाया गया, उसकी तस्वीरें खींची गईं और टेलीग्राम के जरिए चुनिंदा अभ्यर्थियों के बीच प्रसारित की गईं। जम्मू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगिंदर सिंह ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जांच में 1.80 लाख रुपये के लेनदेन का भी पता चला है, जिसमें से 1.40 लाख रुपये बरामद कर लिए गए हैं।

पुलिस ने 15 नवंबर को जम्मू में एफएए परीक्षा से पहले 14 संदिग्धों को गिरफ्तार किया था। इस दौरान एक ऐसे नेटवर्क का पदार्फाश हुआ था, जो परीक्षा केंद्रों के भीतर इलेक्ट्रॉनिक संचार उपकरणों के जरिए चुनिंदा अभ्यर्थियों तक उत्तर पहुंचाने की योजना बना रहा था। खुफिया जानकारी के आधार पर की गई इस कार्रवाई में कई वायरलेस रेडियो सेट जब्त किए गए थे। इस मामले में तीन प्राथमिकी दर्ज की गई थीं और कथित साजिश की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जांच के दौरान कथित मुख्य सरगना की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया गया, जिससे पूछताछ में अभ्यर्थियों, सरकारी कर्मचारियों और अन्य बिचौलियों से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ।

पीएम मोदी से मिलने दिल्ली पहुंचे नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह, सीमा विवाद से लेकर बिजली तक होगी बात

नई दिल्ली। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह भारत के दो दिवसीय राजकीय दौरे पर नई दिल्ली पहुंच गए हैं। दिल्ली पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर भारत आए बालेंद्र शाह की मार्च 2026 में पद संभालने के बाद यह पहली भारत यात्रा है। प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा भी है।

भारत दौरे के दौरान सोमवार को बालेंद्र शाह की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात होगी। नई दिल्ली में दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बातचीत भी होगी। इस बैठक में ऊर्जा, जलविद्युत, रेलवे, सड़क संपर्क और बुनियादी ढांचे से जुड़े मुद्दों पर खास तौर पर चर्चा होगी। इसके अलावा नेपाल में चल रही कई

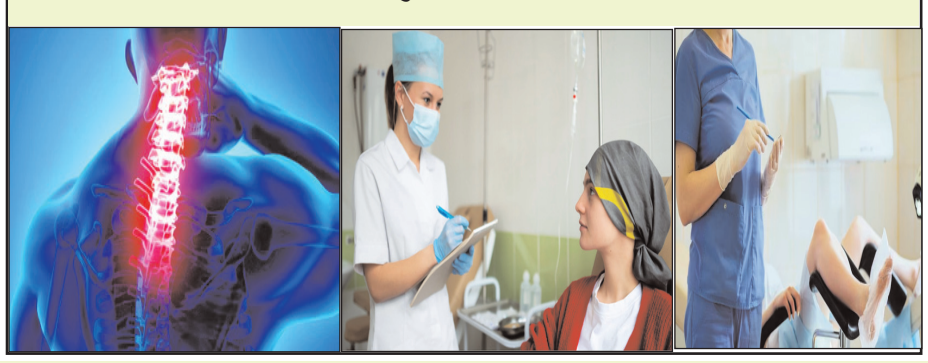


परियोजनाओं का दोनों नेता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उद्घाटन कर सकते हैं। बैठक के बाद दोनों देशों के बीच अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए कई अहम समझौतों और दस्तावेजों का आदान-प्रदान होने की भी संभावना है।

भारत और नेपाल के बीच ऊर्जा के क्षेत्र में लंबे समय से सहयोग चल रहा है। दोनों देश बिजली उत्पादन और आपूर्ति को लेकर अपनी साझेदारी को और मजबूत करना चाहते हैं। नेपाल ने वित्त वर्ष 2025-26 में भारत को बिजली बेचकर करीब 1,800 करोड़ नेपाली रुपये कमाए। भारत नेपाल के लिए बिजली का एक बड़ा बाजार है। दोनों देशों के बीच लंबे समय के लिए बिजली आपूर्ति का समझौता भी इस साझेदारी का अहम हिस्सा है।

प्रधानमंत्री मोदी और बालेंद्र शाह की बैठक में सीमा पार रेल और सड़क संपर्क को बेहतर बनाने पर भी बात हो सकती है। दोनों देश रक्सौल-काठमांडू रेल लिंक जैसी परियोजनाओं की संभावनाएं तलाश रहे हैं। इस रेल परियोजना से दोनों देशों के बीच यात्रियों की आवाजाही आसान हो सकती है। साथ ही सामान की ढुलाई के लिए भी नए रास्ते खुलेंगे।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध



NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW



SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
— Since 1992 —
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
34+ Years of Academic Excellence
Experienced & Dedicated Faculty
Personal Attention
Printed Notes & Regular Tests
Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भरोसे शासन? गलती मशीन की, भुगतेगा नागरिक!



- डॉ. सत्यवान सौरभ

सरकारें आज तकनीक के सहारे तेज, पारदर्शी और प्रभावी शासन का दावा कर रही हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को प्रशासनिक सुधार, जनसेवा और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण का नया औजार बताया जा रहा है। सरकारी कार्यालयों में नागरिकों के प्रश्नों के उत्तर देने से लेकर योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान, शिकायतों के विश्लेषण और निर्णय प्रक्रिया तक एआई का प्रवेश तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन तकनीक के चमकदार प्रचार के बीच एक बुनियादी सवाल दबता जा रहा है—यदि मशीन गलत निर्णय देगी, तो नागरिक न्याय के लिए किस दरवाजे पर दस्तक देगा? शासन में एआई का प्रयोग सुविधा का विषय जरूर है, लेकिन इसे जवाबदेही से मुक्त प्रयोगशाला नहीं बनाया जा सकता। जनरेटिव एआई की सबसे खतरनाक प्रवृत्ति यह है कि वह गलत जानकारी भी पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत कर सकता है। वह ऐसे नियम, तथ्य, आँकड़े या पात्रता शर्तें बता सकता है, जो वास्तविकता में मौजूद ही न हों। आम नागरिक मशीन के उत्तर को सरकारी प्रमाणिकता समझ सकता है। यदि किसी वृद्ध व्यक्ति को पेंशन की पात्रता गलत बता दी जाए, किसी विद्यार्थी को छात्रवृत्ति के संबंध में भ्रमित कर दिया जाए या किसी किसान को सरकारी योजना की गलत जानकारी मिल जाए, तो नुकसान केवल तकनीकी त्रुटि नहीं रह जाता; वह नागरिक के अधिकार पर चोट बन जाता है। सरकार के लिए एआई की गलती एक आँकड़ा हो सकती है, लेकिन नागरिक के लिए वह भूख, आर्थिक संकट, अवसर की हानि और निराशा बन सकती है। विडंबना यह है कि सरकारी व्यवस्था में पहले से मौजूद मानवीय लापरवाही, अस्पष्ट नियम और लालफीताशाही को यदि बिना सुधार किए एआई के हवाले कर दिया जाए, तो समस्या समाप्त नहीं होगी, बल्कि उसका डिजिटल विस्तार हो जाएगा। गलत व्यवस्था को मशीन से चलाने पर वह सही व्यवस्था नहीं बन जाती। यदि पुराना डेटा भेदभावपूर्ण है, तो एआई उसी भेदभाव को नए रूप में आगे बढ़ा सकता है। यदि प्रशासनिक सोच नागरिकों के प्रति संवेदनशील नहीं है, तो तकनीक संवेदनशीलता पैदा नहीं कर सकती। मशीन के पास गति हो सकती है, लेकिन न्यायबोध, सामाजिक अनुभव और मानवीय विवेक का विकल्प नहीं। एल्गोरिद्मिक पक्षपात शासन के लिए गंभीर खतरा है। भारत जैसे विविधतापूर्ण समाज में जाति, वर्ग, लिंग, क्षेत्र, भाषा और आर्थिक स्थिति से जुड़ी असमानताएँ पहले से मौजूद हैं। यदि इन्हीं असमानताओं से प्रभावित आँकड़ों के आधार पर एआई निर्णय लेने लगे, तो वंचित नागरिकों के साथ भेदभाव और अधिक अदृश्य हो सकता है। पहले अन्याय का चेहरा दिखाई देता था, अब वह गणना और तकनीकी प्रक्रिया के पीछे छिप सकता है। किसी व्यक्ति को योजना से बाहर कर दिया जाए और कारण केवल यह बताया जाए कि प्रणाली ने उसे योग्य नहीं पाया, तो यह आधुनिक प्रशासन नहीं, डिजिटल निरंकुशता का नया रूप होगा। निजता के मामले में भी सरकारों को आत्ममंथन करना चाहिए। नागरिक पहले ही अपनी पहचान, बैंक खाते, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य विवरण अनेक सरकारी प्रणालियों में उपलब्ध करा चुके हैं। क्या अब इन जानकारियों को एआई प्रशिक्षण और विश्लेषण के नाम पर अनियंत्रित रूप से इस्तेमाल किया जाएगा? क्या नागरिक की जानकारी पर सरकार का अधिकार असीमित है? डेटा सुरक्षा केवल तकनीकी व्यवस्था का प्रश्न नहीं, नागरिक की गरिमा और स्वतंत्रता का प्रश्न है। यदि संवेदनशील जानकारी लीक होती है, तो उसकी जिम्मेदारी केवल किसी सर्वर या सॉफ्टवेयर पर डालकर समाप्त नहीं की जा सकती। सबसे चिंताजनक स्थिति जवाबदेही के धुंधले पड़ने की है। सरकारी अधिकारी कह सकता है कि निर्णय प्रणाली के सुझाव पर लिया गया, तकनीकी कंपनी कह सकती है कि उसने केवल उपकरण दिया, और विभाग कह सकता है कि प्रक्रिया स्वचालित थी। अंततः नागरिक किसे जवाबदेह ठहराए? लोकतंत्र में जिम्मेदारी का कोई रिक्त स्थान नहीं हो सकता। मशीन के पीछे छिपकर निर्णय लेने वाले अधिकारियों को प्रशासनिक उत्तरदायित्व से बचने की अनुमति नहीं दी जा सकती। सरकारी निर्णय में एआई का इस्तेमाल हुआ है, तो यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि अंतिम निर्णय किसने लिया और उसके परिणामों की जिम्मेदारी किसकी है।

शासन में एआई के उपयोग पर पारदर्शिता कोई कृपा नहीं, नागरिक का अधिकार होना चाहिए। नागरिक को बताया जाए कि उसके आवेदन, शिकायत, पात्रता या किसी अन्य प्रक्रिया में एआई की भूमिका है या नहीं। निर्णय का आधार क्या है, संबंधित जानकारी कहाँ से आई और यदि निर्णय गलत है तो उसे चुनौती देने का रास्ता क्या है—इन सवालों के उत्तर उपलब्ध होने चाहिए। तकनीकी जटिलता को जवाबदेही से बचने का बहाना नहीं बनाया जा सकता। इसके लिए स्वतंत्र परीक्षण और लेखा-परीक्षण अनिवार्य होने चाहिए। सरकारी एआई प्रणालियों की नियमित जाँच केवल उनकी गति और लागत बचत के आधार पर नहीं, बल्कि उनकी सटीकता, निष्पक्षता, सुरक्षा और सामाजिक प्रभाव के आधार पर होनी चाहिए। जिन प्रणालियों का प्रभाव पेंशन, राशन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और नागरिक अधिकारों पर पड़ता है, उनमें कठोर निगरानी और मानवीय अनुमोदन अनिवार्य होना चाहिए। गलत निर्णय की स्थिति में नागरिक को सरल शिकायत व्यवस्था, पुनर्विचार और मानवीय सुनवाई का अधिकार मिले। भारत में डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के अनुरूप नागरिकों की निजी जानकारी की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। डेटा का उपयोग सीमित उद्देश्य के लिए हो, अनावश्यक संग्रह से बचा जाए और सुरक्षा संबंधी उल्लंघनों पर जवाबदेही तय हो। सरकारी कर्मचारियों को भी एआई की सीमाओं, गलत उत्तरों, पूर्वाग्रहों और साइबर खतरों के बारे में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। केवल तकनीक खरीद लेना डिजिटल शासन नहीं है; उसका विवेकपूर्ण संचालन ही वास्तविक सुधार है। एक और खतरा डिजिटल विभाजन का है। यदि सरकार धीरे-धीरे सभी सेवाओं को एआई आधारित माध्यमों पर निर्भर कर दे, तो ग्रामीण नागरिक, बुजुर्ग, दिव्यांगजन, कम डिजिटल साक्षरता वाले लोग और भाषाई रूप से वंचित समुदाय पीछे छूट सकते हैं। नागरिक को सरकारी सेवा प्राप्त करने के लिए मशीन से संवाद करने की बाध्यता नहीं होनी चाहिए। तकनीक सुविधा दे, लेकिन मानवीय सहायता का दरवाजा बंद न करे। सरकार को एआई के प्रति न अंधा उत्साह दिखाना चाहिए, न भय के कारण उसे पूरी तरह अस्वीकार करना चाहिए। आवश्यकता संतुलित, नियंत्रित और नागरिक-केंद्रित उपयोग की है। उच्च जोखिम वाले निर्णयों में मानव निगरानी, स्वतंत्र ऑडिट, स्पष्ट जिम्मेदारी, डेटा सुरक्षा और प्रभावी शिकायत निवारण अनिवार्य होना चाहिए। सरकार का उद्देश्य मशीनों से नागरिकों को नियंत्रित करना नहीं, तकनीक से नागरिकों की समस्याएँ हल करना होना चाहिए। एआई यदि नागरिक को सरकारी कार्यालयों के चक्कर से बचाता है, तो स्वागतयोग्य है; लेकिन यदि वह नागरिक को गलत उत्तर, अपारदर्शी निर्णय और जवाबदेहीहीन व्यवस्था के हवाले करता है, तो वह सुधार नहीं, संकट है। मशीन कितनी भी बुद्धिमान क्यों न हो, लोकतंत्र उससे अधिक बुद्धिमान व्यवस्था की मांग करता है—जहाँ निर्णय का केंद्र नागरिक हो, सुविधा नहीं; न्याय हो, गणना नहीं; और जवाबदेही हो, तकनीकी बहाना नहीं।

कागजी प्रमाणपत्रों से आगे बढ़ता भविष्यः डिग्री नहीं, कौशल ही असली पूंजी



अशोक भाटिया

इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर खड़े होकर जब हम भारत की युवा शक्ति और उसके भविष्य की ओर देखते हैं, तो एक बेहद स्पष्ट और अनिवार्य सत्य उभरकर सामने आता है। यह सत्य है—डिग्रियों की चमक के बजाय व्यावहारिक कौशल की ठोस जमीन पर खड़ा होना। हाल ही में लखनऊ में आयोजित पांचवें राष्ट्रीय कौशल दीक्षांत समारोह के मंच से भी देश के शीर्ष नेतृत्व ने इसी विचार को रेखांकित किया कि बदलती दुनिया में केवल कागजी डिग्रियों के सहारे भविष्य की इमारत नहीं खड़ी की जा सकती, बल्कि युवाओं का असली सामर्थ्य और उनकी पहचान उनके हुनर से ही तय होगी। यह संदेश केवल एक औपचारिक उद्बोधन भर नहीं है, बल्कि हमारी समूची शिक्षा व्यवस्था, अभिभावकों की मानसिकता, कॉर्पोरेट जगत की अपेक्षाओं और युवाओं की करियर योजना के लिए एक निर्णायक दिशा-निर्देश है। दशकों तक भारतीय समाज में यह धारणा गहराई तक जड़ें जमाए बैठी रही कि किसी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय की डिग्री हासिल कर लेना ही जीवन की सफलता और सुरक्षित रोजगार की अंतिम गारंटी है। परिणामस्वरूप, हमारे शिक्षण संस्थान ज्ञान और नवाचार के केंद्र बनने के बजाय महज परीक्षा पास करने और प्रमाणपत्र बांटने की फैक्ट्रियों में तब्दील होते चले गए। इस अंधी दौड़ ने देश में 'शिक्षित बेरोजगारों' की एक ऐसी विशाल फौज खड़ी कर दी, जिनके हाथों में स्नातक और परास्नातक की डिग्रियां तो हैं, लेकिन उद्योग जगत की वास्तविक जरूरतों को पूरा करने वाला व्यावहारिक कौशल नदारद है।

आज का वैश्विक रोजगार बाजार एक अभूतपूर्व तकनीकी क्रांति के दौर से गुजर रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन ने काम करने के पारंपरिक तरीकों को पूरी तरह बदल दिया है। जो कार्य कल तक दर्जनों क्लर्कों या सामान्य स्नातकों द्वारा किए जाते थे, वे आज कुछ ही सेकंड में सॉफ्टवेयर और एल्गोरिदम के माध्यम से संपन्न हो रहे हैं। ऐसे परिवर्तनशील परिवेश में कंपनियां अब किसी उम्मीदवार के बायोडाटा में दर्ज अंकों के प्रतिशत या विश्वविद्यालय के नाम से अधिक यह देखती हैं कि वह व्यक्ति जमीनी स्तर पर किस समस्या का समाधान कर सकता है। आधुनिक नियोक्ताओं की प्राथमिकता 'डिग्री-फर्स्ट' से बदलकर 'स्किल-फर्स्ट' हो चुकी है। विभिन्न औद्योगिक सर्वेक्षण यह स्पष्ट करते हैं कि आज अधिकांश अग्रणी कंपनियां भर्ती के समय औपचारिक डिग्री की तुलना में उम्मीदवार की व्यावहारिक दक्षता, समस्या-समाधान की क्षमता, अनुकूलनशीलता और नई तकनीक को सीखने की ललक को अधिक महत्व दे रही हैं। जब दुनिया की दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनियां अपनी भर्ती प्रक्रिया से अनिवार्य डिग्री की शर्त हटा रही हैं, तब भारत जैसे युवा देश के लिए इस वैश्विक बदलाव से आंखें मूंदना आत्मघाती सिद्ध हो सकता है।

भारत इस समय अपने जनसांख्यिकीय लाभांश के सबसे स्वर्णिम काल में है, जहां देश की आबादी का एक बहुत बड़ा हिस्सा कार्यशील आयु वर्ग में है। लेकिन यह जनसांख्यिकीय लाभांश तभी देश की आर्थिक महाशक्ति बनने की राह

हिन्दी दैनिक उत्तरशक्ति मार्गदर्शन

प्रशस्त करेगा, जब इन करोड़ों हाथों को आधुनिक और बाजारोन्मुखी कौशल से लैस किया जाएगा। यदि हमारे युवा केवल पारंपरिक पाठ्यक्रमों की किताबी परिभाषाओं को रटकर बाहर निकलेंगे, तो यह अवसर एक गंभीर सामाजिक और आर्थिक चुनौती में बदल सकता है। विडंबना यह है कि एक ओर देश में करोड़ों युवा रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं, तो दूसरी ओर निर्माण, विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, हरित ऊर्जा, डेटा एनालिटिक्स और सेवा क्षेत्र के उद्योगों को प्रशिक्षित और कुशल मानव संसाधन नहीं मिल पा रहा है। मांग और आपूर्ति के बीच की यही खाई हमारी सबसे बड़ी कमजोरी रही है। कौशल विकास का मूल उद्देश्य इसी खाई को पाटना है। जब एक युवा आईटीआई, पॉलिटेक्निक या किसी विशेष कौशल केंद्र से आधुनिक मशीनों के संचालन, कोडिंग, डिजिटल मार्केटिंग या किसी विशिष्ट शिल्प का व्यावहारिक प्रशिक्षण लेकर निकलता है, तो वह न केवल तुरंत रोजगार के योग्य बनता है, बल्कि उसके भीतर स्वरोजगार और उद्यमिता का आत्मविश्वास भी जन्म लेता है।

इस पूरी बहस में एक महत्वपूर्ण पहलू सामाजिक मानसिकता और श्रम की गरिमा से भी जुड़ा हुआ है। हमारे समाज में लंबे समय तक 'व्हाइट-कॉलर' यानी दफ्तर की कुर्सी-मेज वाली नौकरियों को ही सम्मान की दृष्टि से देखा गया और हाथ के हुनर या तकनीकी कारीगरी को कमतर आंका गया। यही कारण है कि अभिभावक अपने बच्चों पर डॉक्टर, इंजीनियर या प्रशासनिक अधिकारी बनने का अनावश्यक दबाव बनाते हैं, भले ही बच्चे की रुचि और स्वाभाविक प्रतिभा किसी अन्य रचनात्मक या तकनीकी क्षेत्र में हो। हमें यह समझना होगा कि जर्मनी, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे विकसित देशों की आर्थिक समृद्धि के पीछे उनके व्यावसायिक और कौशल-आधारित शिक्षण मॉडल की सबसे बड़ी भूमिका रही है। उन देशों में किसी कुशल तकनीशियन, मैकेनिक या शिल्पकार को उतना ही आर्थिक और सामाजिक सम्मान प्राप्त है, जितना किसी कॉर्पोरेट प्रबंधक को। भारत में भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा की शिक्षा के साथ जोड़ने का जो प्रयास शुरू हुआ है, उसे जमीनी स्तर पर पूरी ईमानदारी और गति के साथ लागू करने की आवश्यकता है। स्कूलों के स्तर से ही विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें प्रयोगशालाओं, कार्यशालाओं और स्थानीय उद्योगों के साथ जोड़ना होगा, ताकि वे अपनी रुचि के अनुरूप किसी न किसी हुनर में पारंगत हो सकें।

यहां यह स्पष्ट कर देना भी आवश्यक है कि कौशल पर जोर देने का अर्थ औपचारिक उच्च शिक्षा या डिग्री की प्रासंगिकता को पूरी तरह नकारना नहीं है। चिकित्सा, कानून, बुनियादी विज्ञान, अनुसंधान और उच्च प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में गहन सैद्धांतिक ज्ञान और औपचारिक डिग्री की अपनी अनिवार्य भूमिका है और हमेशा रहेगी। वस्तुतः डिग्री और कौशल एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक ही सिक्के के दो पूरक पहलू हैं। डिग्री किसी व्यक्ति को ज्ञान का व्यापक आधार, वैचारिक स्पष्टता और किसी क्षेत्र में प्रवेश करने की प्रारंभिक पात्रता प्रदान करती है, जबकि कौशल उस ज्ञान को व्यावहारिक धरातल पर उतारने, उत्पादकता बढ़ाने और निरंतर बदलते बाजार में टिके रहने की शक्ति देता है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब शिक्षा प्रणाली केवल डिग्री प्रदान करने तक सीमित रह जाती है और उसमें से व्यावहारिक प्रशिक्षण का तत्व गायब हो जाता है। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि हमारे विश्वविद्यालय और महाविद्यालय अपने पाठ्यक्रमों को उद्योग जगत की वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप अद्यतन करें। उद्योग और अकादमिक जगत के बीच सार्थक साझेदारी, अनिवार्य इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप कार्यक्रमों को बढ़ावा देकर ही हम ऐसी पीढ़ी तैयार कर सकते हैं, जिसके पास डिग्री की वैधता भी हो और कौशल की धार भी।

अंततः, भविष्य उन्हीं युवाओं का है जो 'सीखने, पुराने को भूलने और नया सीखने' यानी 'लर्न, अनलर्न और रीलर्न' के मंत्र को अपने जीवन का हिस्सा बनाएंगे। तकनीक के इस युग में किसी भी कौशल की उम्र बहुत लंबी नहीं रह गई है; जो हुनर आज प्रासंगिक है, संभव है कि पांच साल बाद उसका स्वरूप पूरी तरह बदल जाए। ऐसे में निरंतर खुद को अपग्रेड करते रहना ही सफलता की एकमात्र कुंजी है। सरकार द्वारा चलाई जा रही कौशल विकास योजनाओं, डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म और स्टार्टअप इंडिया जैसे अभियानों का लाभ उठाते हुए युवाओं को अपने भीतर छिपी रचनात्मकता और व्यावहारिक क्षमता को निखारना होगा। जब देश का प्रत्येक युवा नौकरी मांगने वाले की मानसिकता से बाहर निकलकर अपने कौशल के दम पर रोजगार सृजित करने वाले की भूमिका में आएगा, तभी आत्मनिर्भर और विकसित भारत का स्वप्न साकार होगा। समय की मांग यही है कि हम कागजी प्रमाणपत्रों के मोह से बाहर निकलें और हुनर को ही अपनी सबसे बड़ी पूंजी बनाएं।

तो इन्हें है देश के सम्मान की चिंता ?

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी के निशाने पर हैं। दरअसल पिछले दिनों न्यूयॉर्क स्थित अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में संवाद के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि भारत ₹आर्थिक संकट ₹ के मुहाने पर खड़ा है और यहाँ बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था तथा चुनावी प्रक्रिया को लेकर गंभीर समस्याएं हैं। भाजपा राहुल गाँधी द्वारा विदेश जाकर की जाने वाली ऐसी आलोचनाओं को सहन नहीं कर पाती और इसे देश विरोधी प्रचार बताती है। राहुल गांधी के भाषण पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने इसे देश को बदनाम करने वाला बताया और उनके इस इस दावे को भी खारिज किया कि भारत की अर्थव्यवस्था खत्म हो चुकी है या आर्थिक संकट में है। रिजिजू ने यह आरोप भी लगाया कि राहुल गांधी ने भारत की सभ्यता, परंपराओं, लोकतंत्र और संविधान को कमजोर करने वाली मानसिकता बना ली है। उन्होंने यह संगीन आरोप भी लगाया कि देश-विरोधी और वामपंथी विचारधारा वाली ताकतें उन्हें प्रभावित कर रही हैं या उकसा रही हैं। रिजिजू ने राहुल को सुझाव दिए कि वे भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत या खत्म बताने वाले झूठे दावे करना बंद करें। भाजपा के अन्य कई नेता पहले भी राहुल गांधी की विदेश में की जानी वाली इसतरह की टिप्पणी पर अपनी ऐसी ही तीखी प्रतिक्रिया देते रहे हैं।

सवाल यह है कि क्या भारतीय अर्थव्यवस्था पर मंडराते संकट की बात केवल राहुल गांधी ही कहते हैं या देश के अन्य कई प्रमुख अर्थशास्त्री भी ऐसे ही विचार रखते हैं ? सच तो यह है कि पहले भी भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर देश और दुनिया के कई प्रमुख अर्थशास्त्रियों, पूर्व नीति-निमार्ताओं और राजनेताओं ने समय-समय पर गंभीर चेतावनियां दी हैं। वे भी देश में अर्थव्यवस्था को लेकर संरचनात्मक संकट, बेरोजगारी और धीमे निजी निवेश जैसे शब्दों का प्रयोग कर चुके हैं। उदाहरणार्थ पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन भारत के जीडीपी आंकड़ों की गणना पद्धति, निजी निवेश में सुस्ती, रोजगार सृजन की कमी और जीएसटी के बाद अनौपचारिक क्षेत्र को हुए नुकसान पर लगातार गंभीर चिंता जताते रहे हैं । नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी ने मध्यम वर्ग की स्थिर या घटती वास्तविक आय और महंगाई के कारण बढ़ रहे आर्थिक दबाव को लेकर चेतावनी दी है। इसी तरह पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने ऊर्जा आयात पर निर्भरता, रुपये की गिरावट और विदेशी पूंजी के बाहर जाने जैसे मुद्दों को उठाते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था की संवेदनशीलता पर चिंता व्यक्त की है। पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यन और कौशिक बसु जैसे अर्थशास्त्रियों ने भी अलग-अलग समय पर नोटबंदी के असर, जीडीपी की गणना में



-तनवीर जाफरी

संभावित विसंगतियों, घटते निर्यात और रोजगार संकट को लेकर सरकार की आर्थिक नीतियों की आलोचना की है। इसके अतिरिक्त भाजपा नेता व अर्थशास्त्री सुब्रमण्यम स्वामी भी अपनी ही पार्टी की सरकार की कई आर्थिक नीतियों—विशेषकर जीएसटी, नोटबंदी और बैंकिंग नीतियों की कड़ी आलोचना करते हुए अर्थव्यवस्था के सामने गंभीर संकट की चेतावनी देते रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री व अर्थशास्त्री स्व डॉ. मनमोहन सिंह व पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम बेरोजगारी, महंगाई और मध्यम वर्ग की थमी हुई आय को देश की तीन सबसे बड़ी आर्थिक चुनौतियां बता चुके हैं। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने तो नोटबंदी और जीएसटी के क्रियान्वयन को देश की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका बताया था।

इतना ही नहीं बल्कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने जनवरी से अक्टूबर 2026 के बीच भारतीय शेयर बाजार से लगभग 2.95 लाख करोड़ अर्थात करीब 35 अरब डॉलर का रिकॉर्ड निवेश वापस निकाला है। हालांकि नवंबर 2026 में इन विदेशी निवेशकों द्वारा पुनः करीब 10.6 अरब की रिकॉर्ड वापसी भी की गयी है। फरवरी 2026 में ईरान पर हुए हमले और मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक निवेशकों ने जोखिम भरे बाजारों से पैसा निकालना शुरू किया। इसी लिए अकेले मार्च महीने में ही रिकॉर्ड 13 अरब डॉलर की निकासी हुई। वैश्विक अस्थिरता के कारण कच्चे तेल के दाम बढ़े, जिससे भारत का आयात बिल बढ़ने और महंगाई की आशंका पैदा हुई। 10-साल के अमेरिकी सरकारी बॉन्ड पर 5.2% से अधिक का सुरक्षित रिटर्न मिलने के कारण निवेशकों ने भारतीय बाजार के मुकाबले अमेरिका में पैसा लगाना अधिक फायदेमंद समझा। परन्तु सरकार का दावा है कि भारत 7% या उससे अधिक की दर से बढ़ने वाली दुनिया की सबसे तेज प्रमुख अर्थव्यवस्था है और पिछले 12-13 वर्षों में लगभग 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। दूसरी यही सरकार यह कहकर भी अपनी पीठ स्वयं थपथपाती रहती है कि वह देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ़्त राशन उपलब्ध करा रही है।

अब रहा सवाल विदेश की धरती पर भारत की बदनामी कराने का तो इस बदनामी का मापदंड आखिर कौन तय करेगा ? याद कीजिये मई 2015 में चीन के शंघाई और दक्षिण कोरिया के सियोल में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वह टिप्पणी जिसमें उन्होंने कहा था कि 'एक दौर ऐसा था जब लोग सोचते थे कि उन्होंने पिछले जन्म में कौन-सा पाप किया था जो भारत में पैदा हुए,यह कैसा देश है और कैसी सरकार है, और लोग बाहर चले जाना चाहते थे।' प्रधानमंत्री की इस टिप्पणी पर भारत में तीखी राजनीतिक बहस हुई थी। उस समय कई विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान की आलोचना करते हुए कहा था कि विदेश में जाकर यह कहना कि भारत में जन्म लेना किसी पिछले पाप या अभिशाप जैसा माना जाता था, राष्ट्रीय गौरव को ठेस पहुँचाने वाला है। इसी तरह भाजपा और उसके समर्थक जवाहरलाल नेहरू की कई नीतियों और निर्णयों का मूल्यांकन करते हुए उनकी आलोचना करते हैं। जबकि कांग्रेस नेताओं का कहना है कि नेहरू ने आधुनिक भारत, लोकतांत्रिक संस्थाओं, सार्वजनिक उपक्रमों और शैक्षणिक संस्थानों की नींव रखी, और उनके योगदान को नजरअंदाज कर उन पर लगातार हमले किए जाते हैं। विपक्ष प्रधानमंत्री मोदी के ही ऐसे और भी कई बयानों व गतिविधियों को देश की बदनामी करने वाली बताता है। जैसे कि अप्रैल 2015 में कनाडा के टोरंटो में प्रवासी भारतीयों की सभा में मोदी ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा था—₹जिनको गंदगी करनी थी, गंदगी करके चले गए, हम सफाई करके जाएंगे₹ और ₹हमारा मिशन 'स्किल इंडिया' है, न कि 'स्कैम इंडिया'।₹ उस समय कांग्रेस नेताओं ने इसे विदेशी धरती पर देश की पिछली उपलब्धियों और लोकतांत्रिक परंपरा का अपमान करार दिया। इसी तरह दिसंबर 2015 में मॉस्को हवाई अड्डे पर गार्ड ऑफ ऑनर के दौरान जब भारतीय राष्ट्रगान बज रहा था, तब मोदी अनजाने में आगे बढ़ने लगे थे तब एक रूसी अधिकारी ने उन्हें हाथ पकड़कर पीछे रोका था। विपक्ष ने इसे प्रोटोकॉल की चूक और असहज करने वाली घटना बताया था। अभी हाल ही में गत 17 नवंबर को फिलीपींस के मनीला में क्वाड शिखर सम्मेलन के ग्रुप फोटो सेशन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फर्श पर रखा एक स्पॉट मार्कर उठाकर अपनी जेब में रख लिया था। आलोचकों ने इसे लेकर सवाल उठाए। आयोजकों ने ग्रुप फोटो के दौरान नेताओं के खड़े होने की जगह तय करने के लिए फर्श पर देश के झंडे वाले छोटे मार्कर/कार्ड लगाए थे। 2015 व 2019 के ब्रिक्स सम्मेलनों में भी फर्श पर झंडे के मार्कर होने के कारण उन्हें नहीं उठाया गया था। विपक्ष के नेताओं व आलोचकों द्वारा इसे भी वैश्विक मंच पर देश की शर्मिंदगी करने वाला बताया गया। इसलिए विपक्ष पूछता है कि समय समय पर देश का अपमान करने वालों को आखिर देश के सम्मान की चिंता क्यों सताती रहती है?

सेल्फी से आगे पत्रकारिता के सवाल भी जरूरी

सत्ता से संवाद में संकोच नहीं, लेकिन पेशेवर स्वतंत्रता और जनहित की जवाबदेही सर्वोपरि

लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका केवल घटनाओं को दर्ज करने तक सीमित नहीं है। उसका दायित्व सत्ता, शासन और व्यवस्था से सवाल पूछना तथा जनता के हितों से जुड़े मुद्दों को सामने लाना भी है। यही जिम्मेदारी पत्रकारिता को लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ बनाती है। ऐसे में जब पत्रकारों की किसी राजनीतिक नेतृत्व के साथ तस्वीरें या सेल्फी सार्वजनिक होती हैं, तो उनके पेशेवर दायित्व और स्वतंत्रता को लेकर चर्चा होना स्वाभाविक है। लेकिन इस बहस में संतुलन जरूरी है। किसी तस्वीर को अपने आप में पत्रकारिता की निष्पक्षता का प्रमाण या उसके विपरीत मान लेना उचित नहीं होगा।

12 नवंबर 2026 को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पत्रकारों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया के बदलते स्वरूप का उल्लेख करते हुए प्रेस विज्ञप्ति और फैक्स के दौर से इंस्टाग्राम रील तक के सफर की चर्चा की। उन्होंने आपदा और संकट के समय जोखिम उठाकर घटनास्थल तक पहुंचने वाले संवाददाताओं की सराहना की। साथ ही देश की उपलब्धियों और सफलता की कहानियों को सामने लाने तथा नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मीडिया की भूमिका का आह्वान किया। समारोह की तस्वीरें और पत्रकारों की सेल्फी सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इस तरह के मेल-मिलाप और पत्रकारिता की पेशेवर मयार्दा को लेकर बहस भी हुई।

यह समझना जरूरी है कि दीपावली मिलन जैसा सामाजिक आयोजन प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं होता। ऐसे अवसरों पर पत्रकारों का जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों या राजनीतिक नेतृत्व से मिलना, बातचीत करना और तस्वीर खिंचवाना अपने आप में अनुचित नहीं है। पत्रकार भी समाज का हिस्सा हैं और उन्हें सामान्य सामाजिक व्यवहार का अधिकार है।

समस्या किसी से मिलने या तस्वीर खिंचवाने में नहीं, बल्कि तब पैदा होती है जब व्यक्तिगत निकटता पेशेवर निर्णयों, खबरों के चयन या सवाल पूछने की स्वतंत्रता को प्रभावित करने लगे।

पत्रकारिता में संवाद के रास्ते खुले रहना भी जरूरी है। सत्ता के केंद्रों तक पहुंच होने से कई बार ऐसी सूचनाएं मिल सकती हैं, जिनसे जनहित के मुद्दों को समझने और जनता की समस्याएं जिम्मेदार लोगों तक पहुंचाने में मदद मिलती है। लेकिन यह सुविधा तभी सार्थक है, जब पत्रकार अपनी स्वतंत्रता और निष्पक्षता से समझौता न करे। किसी व्यक्ति या पद से निकटता के कारण कठिन सवालों से बचना, असुविधाजनक तथ्यों को नजरअंदाज करना अथवा उपलब्धियों के प्रचार को ही पत्रकारिता मान लेना पेशेवर जिम्मेदारी के विपरीत है।

यह बहस केवल किसी एक आयोजन या तस्वीर तक सीमित नहीं है। प्रधानमंत्री और मीडिया के बीच नियमित संवाद का प्रश्न भी लंबे समय से चर्चा में रहा है। प्रधानमंत्री सार्वजनिक कार्यक्रमों,



साक्षात्कारों और अपने विभिन्न संचार माध्यमों से जनता तक अपनी बात पहुंचाते रहे हैं। इन माध्यमों का अपना महत्व है, लेकिन चयनित साक्षात्कार या एकतरफा संवाद नियमित और स्वतंत्र प्रेस कॉन्फ्रेंस का विकल्प नहीं हो सकते। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों को अपनी ओर से सवाल पूछने, जवाब पर पूरक प्रश्न करने और सार्वजनिक महत्व के मुद्दों पर स्पष्टीकरण मांगने का अवसर मिलता है।

जुलाई 2026 में विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी की ओर से प्रधानमंत्री के सीधे मतदाता संवाद को मीडिया से बातचीत के संदर्भ में प्रस्तुत किए जाने के बाद एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने इस पर आपत्ति जताई थी। गिल्ड का तर्क था कि जनता से सीधे संवाद और स्वतंत्र मीडिया के सवाल-जवाब, दोनों की लोकतंत्र में अलग-अलग भूमिका है। यह बात विचारणीय है। सरकार की ओर से जनता तक अपनी बात पहुंचाना जरूरी है, लेकिन मीडिया का दायित्व केवल उस संदेश को आगे बढ़ाना नहीं, बल्कि उससे जुड़े तथ्यों, नीतियों और उनके प्रभावों की पड़ताल करना भी है।

जनहित के मुद्दों पर सवाल पूछने की जरूरत इसलिए भी है, क्योंकि किसी भी सरकार के कामकाज का मूल्यांकन केवल दावों या उपलब्धियों से नहीं, बल्कि आंकड़ों और जमीन पर दिखने वाले परिणामों से होना चाहिए। उदाहरण के लिए, विश्व बैंक की अक्टूबर 2026 की इंडिया पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच 4.20 डॉलर प्रतिदिन (2021 पीपीपी आधार) से कम पर जीवनयापन करने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घ

मुंबई के चेंबूर में कार्तिकी एकादशी पर चरई हिंदू श्मशानभूमि में विशेष पूजा-अर्चना, कालभैरव को अर्पित की गई मदिरा



मुंबई (उत्तरशक्ति)। हर वर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी कार्तिकी एकादशी के अवसर पर चेंबूर स्थित चरई हिंदू श्मशानभूमि में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। इस अवसर पर होमहवन, षोडशोपचार पूजा, आरती और भंडारे का आयोजन किया गया। दीपों की रोशनी से पूरी श्मशानभूमि जगमगा उठी। इस विशेष आयोजन में भगवान कालभैरव को मदिरा अर्पित करने की वर्षों पुरानी परंपरा का निर्वहन किया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने कालभैरव को मदिरा अर्पित कर पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही श्रद्धालुओं ने श्मशानभूमि के चारों ओर हजारों दीप प्रज्वलित कर अपने पूर्वजों का स्मरण एवं पूजन किया। बताया जाता है कि भगवान कालभैरव को मदिरा अर्पित करने की यह परंपरा लगभग 52 वर्ष पहले दिवंगत सिंधी समाज के प्रीतम दास चेलानी ने शुरू की थी। उनके द्वारा शुरू की गई इस परंपरा को आज भी अखंड रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है। उनके भांजे वरिष्ठ समाजसेवक रमेश लोहाणा ने परंपरा को कायम रखने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष कार्तिकी एकादशी के दिन इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ करते आ रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार, 21 नवंबर 2026 को चेंबूर की चरई हिंदू श्मशानभूमि में रमेश लोहाणा के नेतृत्व में विशेष पूजा एवं कालभैरव को मदिरा अर्पित करने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन को क्षेत्र के श्रद्धालुओं का जोरदार प्रतिसाद मिला। बड़ी संख्या में लोगों ने श्मशानभूमि के चारों ओर दीप जलाकर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर आयोजक रमेश लोहाणा ने बताया कि मुंबई के चेंबूर स्थित चरई हिंदू श्मशानभूमि एक ऐसा विशेष स्थान है, जहां कार्तिकी एकादशी के दिन भगवान कालभैरव को मदिरा अर्पित करने की परंपरा निभाई जाती है। यह परंपरा उनके मामा प्रीतम दास चेल्लानी ने लगभग 52 वर्ष पहले शुरू की थी, जिसे वे आज भी पूरी श्रद्धा और निष्ठा के साथ आगे बढ़ा रहे हैं।

मानस परिवार सेवा ट्रस्ट द्वारा वृन्दावन धाम में 23 एवं 24 नवम्बर को होगा दिव्य अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ एवं विशाल भंडारा



मुंबई (उत्तरशक्ति)। मानस परिवार सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित दिव्य श्रीरामचरितमानस अखंड पाठ, हवन-यज्ञ एवं विशाल भंडारा के लिए मुंबई से लगभग 200 रामभक्तों का जत्था बांद्रा टर्मिनस से गरीब रथ एक्सप्रेस द्वारा वृन्दावन धाम के लिए प्रस्थान किया। इस पावन यात्रा को विदाई देने के लिए शिवसेना उत्तर भारतीय संगठन के महाराष्ट्र कार्याध्यक्ष जयप्रकाश सिंह, प्रवक्ता ओमप्रकाश तिवारी सहित अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति बांद्रा टर्मिनस पहुंचे। इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने 'जय श्रीराम' एवं 'बांके बिहारी लाल की जय' के जयघोष से पूरे रेलवे प्लेटफॉर्म को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं में यात्रा को लेकर विशेष उत्साह एवं उमंग देखने को मिली। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोदकुमार हंसराज पाण्डेय ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि मानस परिवार सेवा ट्रस्ट द्वारा इसके पूर्व भी दो बार अयोध्या धाम में मुंबई से हजारों श्रद्धालुओं को लेकर छह दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया जा चुका है। उसी धार्मिक परंपरा एवं सेवा संकल्प को आगे बढ़ाते हुए इस बार वृन्दावन धाम में 23 एवं 24 नवम्बर को दिव्य अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ, हवन-यज्ञ एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संस्था का मुख्य उद्देश्य समाज में धार्मिक चेतना, सनातन संस्कृति, सामाजिक एकता एवं सेवा भावना को बढ़ावा देना है। इस यात्रा में श्रद्धालुओं की सुविधा, व्यवस्था एवं सेवा का विशेष ध्यान रखा गया है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की व्यवस्था एवं सेवा में संस्था के संरक्षक सभाजीत मिश्रा ,राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रविन्द्र प्रसाद पाण्डेय, जयप्रकाश प्रजापति, डॉ. सिंह, मुंबई अध्यक्ष सूर्यकुमार तिवारी, सुरेन्द्र तिवारी, पवन प्रजापति, योगेश पाठक, रामसजीवन उपाध्याय, शुभम मिश्रा, दीपक तिवारी, आनंद शुक्ला, सुनील तिवारी, वेंकटेश मिश्रा एवं राकेश दूबे सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सक्रिय रूप से अपनी जिम्मेदारी निभाते नजर आए।

निजी क्षेत्र की भागीदारी से भारत की आर्थिक संभावनाओं को मिलेगी नई उड़ान: अनिल अग्रवाल

मुंबई/पटना। हाल ही में सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक पोस्ट में वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने FICCI में उद्योग जगत को प्रधानमंत्री के संबोधन पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने भारत की आर्थिक विकास दर को गति देने और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए सरकार और निजी क्षेत्र के बीच बेहतर सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने प्राकृतिक संसाधन, ऊर्जा, विनिर्माण और भारी उद्योग जैसे क्षेत्रों में सरकारी कंपनियों के अधिक निजीकरण का प्रस्ताव रखा। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि निजी क्षेत्र के प्रबंधन से उत्पादकता में सुधार, रोजगार सृजन और टरटए क्षेत्र के विकास को बढ़ावा मिल सकता है। उनका सुझाव है कि निजीकरण के साथ दो शर्तें अनिवार्य होनी चाहिए–कर्मचारियों की छंटनी न हो और रोजगार के अवसरों में तीन गुना वृद्धि हो। उन्होंने कॉरपोरेट अधिग्रहण के विकल्प के रूप में आम जनता को शेयर आवंटित करने का भी सुझाव दिया। उनके अनुसार, निजीकरण से प्राप्त राशि का उपयोग सरकारी कर्ज कम करने और बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए किया जा सकता है।

बजाज एएमसी ने लॉन्च किया बजाज फिनसर्व बिजनेस साइकिल फंड

मुंबई/पटना। बजाज एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड (बजाज एएमसी) ने बजाज फिनसर्व बिजनेस साइकिल फंड लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है, जो बिजनेस साइकिल आधारित थीम पर निवेश करेगी। इस फंड का उद्देश्य कारोबारी चक्र के अलग-अलग चरणों से लाभान्वित होने की क्षमता रखने वाली कंपनियों की पहचान करना और बदलते अवसरों के अनुरूप विभिन्न सेक्टरों एवं उद्योगों में निवेश आवंटन करना है। फंड का न्यू फंड ऑफर 20 नवंबर, 2026 से निवेशकों के लिए खुल रहा है और 4 दिसंबर, 2026 तक निवेश के अवसर उपलब्ध रहेंगे। फंड की निवेश रणनीति इस विचार पर आधारित है कि निवेश के अवसर केवल किसी व्यवसाय की गुणवत्ता पर ही निर्भर नहीं करते।

रिक्षा मीटर जांच एवं रिकैलिब्रेशन कैंप की सुविधा पालघर में ही मिलने पर रिक्षा चालकों में खुशी

जय महाराष्ट्र रिक्षा टैक्सी चालक-मालक संगठन ने परिवहन विभाग के अधिकारियों के प्रति जताया आभार

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के ऑटो रिक्षा चालक-मालकों को मीटर रिकैलिब्रेशन एवं जांच के लिए विरार स्थित क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय तक जाना पड़ता था। इससे रिक्षा चालकों को आर्थिक खर्च, समय की बबार्दी और अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए जय महाराष्ट्र रिक्षा टैक्सी चालक-मालक संगठन, बोईसर की ओर से पालघर में ही मीटर जांच एवं रिकैलिब्रेशन की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की गई थी।

संगठन के संस्थापक अध्यक्ष संदीप सी. पाटील ने 2 नवंबर 2026 को क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, भाटपाडा, विरार (पूर्व) को लिखित निवेदन देकर पालघर जिले के रिक्षा चालकों के लिए स्थानीय स्तर पर अधिकृत मीटर जांच एवं रिकैलिब्रेशन कैंप आयोजित करने की मांग की थी।

संगठन की इस मांग पर सकारात्मक पहल करते हुए परिवहन विभाग की ओर से पालघर में रिक्षा चालकों के लिए मीटर जांच एवं रिकैलिब्रेशन कैंप की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस सुविधा के मिलने से जिले के रिक्षा चालक-



मालकों को अब मीटर जांच के लिए विरार तक जाने की परेशानी से राहत मिलेगी। इस सराहनीय पहल के लिए संगठन की ओर से क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अतुल आदे, उपप्रादेशिक परिवहन अधिकारी गणेश पाटील व दीपक उगले, सहायक परिवहन अधिकारी सोनाली सोनार सहित उपस्थित परिवहन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया।

जय महाराष्ट्र रिक्षा टैक्सी चालक-मालक संगठन के संस्थापक अध्यक्ष संदीप सी. पाटील ने कहा कि पालघर जिले के रिक्षा चालक सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्हें अपने व्यवसाय से जुड़े आवश्यक कार्यों के लिए अनावश्यक आर्थिक और मानसिक परेशानी नहीं उठानी पड़े, इसी उद्देश्य से पालघर में कैंप आयोजित करने की मांग की गई थी। परिवहन विभाग द्वारा इस मांग पर सकारात्मक कदम उठाना स्वागतयोग्य है। संगठन की ओर से पालघर जिले के समस्त रिक्षा चालक-मालकों की तरफ से परिवहन विभाग के अधिकारियों का धन्यवाद करते हुए भविष्य में भी रिक्षा चालकों की समस्याओं के समाधान के लिए इसी प्रकार सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की गई।

राजस्थान पंचायत चुनाव में कांग्रेस की जीत पर कांग्रेस नेता परवेज खान ने दी बधाई

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। राजस्थान में जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में कांग्रेस की शानदार सफलता पर भिवंडी के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं समाजसेवी परवेज खान (पी.के.) ने कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पार्टी नेताओं, कार्यकताओं और विजयी उम्मीदवारों को बधाई दी है।अपने बधाई संदेश में परवेज खान ने कहा कि राजस्थान की ग्रामीण जनता ने अपने मतदान के जरिए कांग्रेस पर विश्वास जताते हुए भाजपा की नीतियों के खिलाफ स्पष्ट संदेश दिया है। यह जीत कांग्रेस के बढ़ते जनाधार और लोकतांत्रिक मूल्यों में जनता के विश्वास का प्रतीक है। किसानों, मजदूरों, महिलाओं और आम नागरिकों का समर्थन इस बात का प्रमाण है कि जनता जमीनी काम और जनसमस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि



21 नवंबर तक घोषित परिणामों के अनुसार कांग्रेस ने जिला परिषद की 1,271 सीटों में से 794 और भाजपा ने 357 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं पंचायत समिति की 7,520 घोषित सीटों में कांग्रेस को 3,758 तथा भाजपा को 2,213 सीटें मिलीं। कांग्रेस ने 37 में से 33 जिलों में पंचायत समिति स्तर पर भाजपा से बेहतर प्रदर्शन किया। परवेज खान ने कहा कि राजस्थान के चुनाव परिणाम कांग्रेस के लिए नई राजनीतिक ऊर्जा साबित होंगे।

रीना मेहता कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर प्रधानाचार्य सम्मेलन आयोजित

- उच्च शिक्षा में नवाचार, संस्थागत नेतृत्व और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर शिक्षाविदों ने रखे विचार

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। जीवन ज्योत एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित रीना मेहता कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस, कॉमर्स एंड मैनेजमेंट स्टडीज में 21 नवंबर 2026 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (ठएढ)-2020 पर आधारित ह्यहायर एजुकेशन प्रिंसिपल्स कॉन्क्लेवह्न (उच्च शिक्षा प्रधानाचार्य सम्मेलन) का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन का मुख्य विषय ह्यपायनियरिंग इनोवेशन इन हायर एजुकेशनह्न रहा। इसके अंतर्गत उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, आधुनिक शैक्षणिक पद्धतियों, प्रभावी संस्थागत नेतृत्व और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास जैसे



महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही उच्च शिक्षा को अधिक गुणवत्तापूर्ण, व्यावहारिक और रोजगारोन्मुखी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में शिक्षा अधिकारी संदीप पाटिल मुख्य अतिथि के रूप में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन जुड़े। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बदलते समय और नई चुनौतियों के अनुरूप उच्च शिक्षा प्रणाली को विकसित करना आवश्यक है, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण के साथ रोजगार के अधिक अवसर मिल सकें। इस अवसर पर विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों एवं शिक्षाविदों ने पैनलिस्ट के रूप में सहभागिता की। इनमें हिंदुजा कॉलेज की डायरेक्टर डॉ. मीनू मदलानी, नागिंदास कॉलेज की प्रिंसिपल एवं डायरेक्टर डॉ. मौशमी दत्ता, एम.एल. दहानुकर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. विनय भोले, बंट्स संघ कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. राजेंद्र पाटिल, एनएसएम कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. वीना प्रसाद तथा जे.के. कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. श्रद्धा भोमे शामिल थीं। सभी शिक्षाविदों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन, शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव, आधुनिक शिक्षण तकनीकों को अपनाने और विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने पर अपने अनुभव एवं विचार साझा किए। कार्यक्रम का स्वागत एवं संचालन रीना मेहता कॉलेज की प्रिंसिपल एवं डायरेक्टर डॉ. श्रीमती सतिंदर कौर गुजराल के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर शिक्षा जगत से जुड़े प्रतिनिधियों ने सम्मेलन को उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच विचारों के आदान-प्रदान, आपसी सहयोग और शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। सम्मेलन के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को प्रभावी रूप से लागू करने तथा उच्च शिक्षा में नवाचार को नई दिशा देने का संदेश दिया गया।

शिक्षण महर्षि स्वर्गीय श्री आई. डी. सिंह जी की 100वीं जयंती प्रेरणा दिवस के रूप में मनाई गई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिंदी विद्या प्रचार समिति के पूर्व ट्रस्टी एवं निदेशक शिक्षण महर्षि स्वर्गीय श्री आई. डी. सिंह जी की 100वीं जयंती के पावन अवसर पर हिंदी हाई स्कूल, घाटकोपर (पश्चिम), मुंबई द्वारा दिनांक 20 नवंबर 2026 को प्रेरणा दिवस का आयोजन श्रद्धा एवं सम्मानपूर्वक किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य श्रद्धेय श्री आई. डी. सिंह जी के प्रति श्रद्धा, सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करना तथा उनके प्रेरणादायी जीवन, आदर्शों, विचारों एवं समाज तथा शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान का स्मरण करना था।

कार्यक्रम का आयोजन हिंदी हाई स्कूल स्थित महेंद्र प्रताप शारदा सिंह



सभागृह में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विद्या प्रचार समिति, घाटकोपर के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र सिंह ने की। इस अवसर पर प्रमुख वक्ताओं के रूप में डॉ. हिमांशु दवड़ा (प्राचार्य, रामनिरंजन झुनझुनवाला कॉलेज), राजेंद्र डी. सिंह (प्रधानाचार्य, हिंदी हाई स्कूल), डॉ. अमर साल्वे (प्रभारी प्राचार्य, एच.वी.पी.एस. लॉ कॉलेज), श्रीमती विजयलक्ष्मी थेवर, श्रीमती सरिता मौर्य एवं श्रीमती शुभा नाडार उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने अपने विचारों के माध्यम से स्वर्गीय श्री आई. डी. सिंह जी के प्रेरणादायी व्यक्तित्व, दूरदर्शी सोच, शिक्षा के प्रति समर्पण एवं संस्था के विकास में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र सिंह ने अपने अध्यक्षीय मनोगत में स्वर्गीय श्री आई. डी. सिंह जी के जीवन एवं कार्यों का स्मरण करते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने तथा उनके द्वारा स्थापित मूल्यों एवं परंपराओं को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन ने 90 विद्यार्थियों को बांटी शैक्षणिक सामग्री, मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शहापुर तालुका के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन की ओर से सराहनीय पहल की गई। फाउंडेशन ने तालुका के दो जिला परिषद विद्यालयों में शैक्षणिक सहायता कार्यक्रम आयोजित कर कुल 90 विद्यार्थियों को विभिन्न शैक्षणिक एवं उपयोगी सामग्री वितरित की।दिवाली की छुट्टियों के बाद आयोजित इस कार्यक्रम में दहिवली विद्यालय के 63 तथा भगदाल विद्यालय के 27 विद्यार्थियों को कॉपियां, चित्रकला पुस्तिकाएं, रंग, पेन, पेंसिल, रबर, शार्पनर, ज्यामिति बॉक्स, चप्पलें, स्कूल बैग और बालमित्र पुस्तकें प्रदान की गईं। इसके साथ ही विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति परीक्षा की पुस्तकें भी दी गईं। दहिवली विद्यालय को स्टील का जल फिल्टर भेंट किया गया।आईडीबीआई शिंदी ग्रुप के सहयोग से विद्यार्थियों को नहाने के तौलिए भी वितरित किए गए। प्रत्येक कक्षा से एक मेधावी विद्यार्थी का चयन कर उसे 'एचएचएफ आदर्श विद्यार्थी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान दोनों विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए नाश्ते और भोजन की व्यवस्था भी की गई।इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समितियों के



सदस्य, शिक्षक और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। विद्यालय समितियों ने फाउंडेशन के इस सामाजिक एवं शैक्षणिक प्रयास की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि सामाजिक सेवा के क्षेत्र में दस वर्ष पूरे कर चुका हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन शिक्षा, चिकित्सा सहायता और जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय है। फाउंडेशन के प्रतिनिधि रमाकांत अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने और जीवन में आगे बढ़ने का समान अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता में सहयोग देने वाले सभी दानदाताओं, प्रायोजकों, स्वयंसेवकों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

चिन्मया विद्यालय में द जर्नी ऑफ वॉयजर्स पर रोचक वैज्ञानिक व्याख्यान का हुआ आयोजन

- डॉ. पराग कुलकर्णी ने विद्यार्थियों को कराया अंतरिक्ष की अद्भुत दुनिया का परिचय
- वैज्ञानिक जिज्ञासा व खोज की भावना विकसित करने का दिया संदेश

पालघर(उत्तरशक्ति)। चिन्मया विद्यालय, सरावली, बोईसर के इंटरैक्ट क्लब एवं चिन्मय स्पेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को विद्यार्थियों के लिए द जर्नी ऑफ वॉयजर्स विषय पर विशेष वैज्ञानिक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान, वॉयजर-1 एवं वॉयजर-2 के ऐतिहासिक अभियानों तथा सौरमंडल की विशालता से परिचित कराना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अतिथियों के पारंपरिक स्वागत व अभिनंदन के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. पराग कुलकर्णी, रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर के अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. प्रवीण वैश्य, प्रेसिडेंट इलेक्ट अलका जैन, तथा कॉर्डिनेटर रोटेरियन शानू ठाकुर और अश्मी जोशी तथा अन्य अध्यापकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. पराग कुलकर्णी, जो पेशे से चिकित्सक होने के साथ-साथ अंतरिक्ष विज्ञान में विशेष रुचि रखते हैं, ने पावरपॉइंट प्रस्तुति एवं डॉक्यूमेंट्री फिल्म के माध्यम से विद्यार्थियों को अंतरिक्ष की रोमांचक दुनिया से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि 5 सितंबर 1977 को प्रक्षेपित वॉयजर-1 ने 18 नवंबर 2026 को पृथ्वी से एक प्रकाश-दिवस



की दूरी तय करने वाली पहली मानव निर्मित वस्तु बनने का ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया। यह दूरी लगभग 25.9 अरब किलोमीटर है। उन्होंने समझाया कि वॉयजर-1 से भेजे गये रेडियो सिग्नल को पृथ्वी तक पहुंचने में लगभग 24 घंटे लगते हैं। व्याख्यान के दौरान प्रसिद्ध वैज्ञानिक कार्ल सेगन के विचारों के संदर्भ में पेल ब्लू डॉट, गोल्डन रिकॉर्ड्स, पृथ्वी की ध्वनियों और वॉल ऑफ फायर जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बृहस्पति, शनि, अरुण एवं वरुण ग्रहों के पार वॉयजर अभियानों की ऐतिहासिक यात्रा के बारे में भी बताया गया। डॉ. कुलकर्णी ने वॉयजर-1 द्वारा 14 फरवरी 1990 को लगभग छह अरब किलोमीटर की दूरी से ली गई सौरमंडल की ऐतिहासिक तस्वीर सोलर सिस्टम फैमिली पोर्ट्रेट भी दिखाई। इस तस्वीर में पृथ्वी एक छोटे से हल्के नीले बिंदु के रूप में दिखाई देती है। उन्होंने इस उदाहरण के माध्यम से समझाया कि विशाल ब्रह्मांड में हमारी पृथ्वी कितनी छोटी होने के बावजूद कितनी अनमोल है। इस अवसर पर प्रेसिडेंट डॉ प्रवीण वैश्य तथा रोटेरियन अलका जैन ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया तथा उन्हें शिक्षा, विज्ञान और नई खोजों के प्रति जिज्ञासु बने रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती डिम्पल मिस्त्री ने सभी अतिथियों, वक्ता एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस प्रकार के ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रमों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। इस आयोजन से विद्यार्थियों को अंतरिक्ष की विशालता, पृथ्वी के महत्व, वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी विकास, टीमवर्क और धैर्य की उपयोगिता समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जिज्ञासा और अंतरिक्ष अन्वेषण के प्रति नई रुचि जागृत की। कार्यक्रम का समापन इस प्रेरणादायक संदेश के साथ हुआ कि सपने बड़े देखें, सवाल पूछें और ब्रह्मांड के रहस्यों को जानने तथा नई खोज करने की जिज्ञासा कभी समाप्त मत होने दें।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com



कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने किया लाइट, साउंड और म्यूजिकल फाउंटेन शो का उद्घाटन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पवई झील की सुंदरता में चार चाँद लगाने वाला अत्याधुनिक म्यूजिकल फाउंटेन मुंबई के नए पर्यटन आकर्षण के रूप में विकसित किया गया है। मराठों का गौरवशाली इतिहास, छत्रपति शिवाजी महाराज का पराक्रम, महाराष्ट्र की संत परंपरा, संस्कृति और मुंबई की गौरवशाली गाथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से इस शो में प्रस्तुत की जाएगी। इस फाउंटेन से मुंबई के पर्यटन को एक नई पहचान मिलेगी। साथ ही पवई झील की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ऐसा प्रतिपादन कैबिनेट मंत्री



मंगल प्रभात लोढ़ा ने किया। पवई झील स्थित गणेश घाट पर निर्मित 'लाइट, साउंड और म्यूजिकल फाउंटेन शो' का उद्घाटन रविवार शाम मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा के हाथों किया गया। इस अवसर पर मुंबई उपनगर के जिलाधिकारी सौरभ कटियार, म्हाडा के स्लम बोर्ड के मुख्य अधिकारी सतीश भारतीय सहित म्हाडा और महानगरपालिका के अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री लोढ़ा ने कहा कि लगभग 180 मीटर लंबा यह अत्याधुनिक म्यूजिकल फाउंटेन देश के सबसे बड़े फाउंटन्स में से एक बनने जा रहा है। इसके माध्यम से छत्रपति शिवाजी महाराज और मराठों के शौर्य की गौरवगाथा अत्याधुनिक तकनीक की सहायता से भव्य स्वरूप में प्रस्तुत की जाएगी। मुंबईकरों के साथ-साथ देश-विदेश के पर्यटक भी इस शो का आनंद लें।

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बाइक से गिरने के बाद पत्रकार की मौत

जौनपुर के केराकत में शहाबुद्दीनपुर के पास हुआ हादसा, जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में तोड़ा दम

जितेन्द्र कनोजिया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत क्षेत्र में शनिवार शाम बाइक से गिरने के बाद पत्रकार सुरेन्द्र कुमार विश्वकर्मा (60) की मौत हो गई। हादसा करीब साढ़े तीन बजे शहाबुद्दीनपुर गांव के पास हुआ। वह तरियारी गांव के रहने वाले थे। उनकी मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार, सुरेन्द्र विश्वकर्मा केराकत बाजार से सामान खरीदकर बाइक से घर लौट रहे थे। शहाबुद्दीनपुर गांव के पास अचानक उनकी बाइक असंतुलित हो गई और वह सड़क पर गिर पड़े। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें



सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत पहुंचाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

बेटे की शादी के अगले दिन हादसा: शुक्रवार को ही सुरेन्द्र विश्वकर्मा के बेटे की शादी हुई थी। शनिवार सुबह उनकी बहू मायके से तरियारी स्थित ससुराल पहुंची थी। घर में कई रिश्तेदार और मेहमान ठहरे हुए थे। इसी बीच हादसे की खबर पहुंचने से परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। पत्रकार के निधन पर परिवार और गांव के लोगों ने शोक जताया।

तिलक समारोह से लौट रहे युवक पर लाठी-डंडों और ईंट से जानलेवा हमला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के लाइन बाजार थाना क्षेत्र में तिलक समारोह से लौट रहे एक युवक पर आधा दर्जन से अधिक लोगों द्वारा लाठी-डंडों और ईंट से हमला कर गंभीर रूप से घायल करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि हमलावरों ने युवक को घेरकर बेरहमी से पीटा, सिर पर ईंट से वार कर लहूलुहान कर दिया और उसकी मोटरसाइकिल को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। इतना ही नहीं, जेब में रखे करीब 1100 रुपये छीनने का भी आरोप लगाया गया है। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस की कार्रवाई पर असंतोष जताते हुए क्षेत्राधिकारी नगर को प्रार्थना पत्र देकर आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

प्रार्थना पत्र के अनुसार, लाइन बाजार थाना क्षेत्र के माण्डवीर उर्फ पचहटिया निवासी किशन चौहान पुत्र उदल चौहान 18 नवंबर 2026 की शाम करीब 7:30 बजे तिलक समारोह में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। आरोप है कि जैसे ही वह अजीत मौर्य के घर से तिलक समारोह में भोजन करने के बाद बाहर निकले, तभी गांव के कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया। पीड़ित ने मिथुन यादव पुत्र मुन्ना यादव, पम्मू यादव, गोविंद यादव, पवन यादव, विवेक मौर्या समेत अन्य लोगों पर गाली-गलौज करते हुए हमला करने का आरोप लगाया है।

सिर फोड़कर बाइक भी तोड़ी, 1100 रुपये छीनने का भी आरोप

पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों और मुक्कों से ताबड़तोड़ प्रहार किए। इसी दौरान गोविंद यादव ने ईंट से उनके सिर पर वार कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई। मारपीट के दौरान उनकी मोटरसाइकिल को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया तथा जेब में रखे करीब 1100 रुपये छीन लिए गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और पीड़ित ने किसी तरह अपनी जान बचाई।

प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि घटना की सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची थी। घायल युवक का उपचार कराया गया, जहां चिकित्सकों ने सिर की चोट को गंभीर बताते हुए सीटी स्कैन कराने के लिए ट्रामा सेंटर रेफर किया। पीड़ित का कहना है कि उसने घटना के संबंध में लाइन बाजार थाने में शिकायत दी थी, लेकिन पुलिस ने दोनों पक्षों का धारा 151 के तहत चालान कर दिया। इससे आहत होकर उसने अब क्षेत्राधिकारी नगर से न्याय की गुहार लगाई है।

पीड़ित ने उठाए पुलिस कार्रवाई पर सवाल: युवक ने क्षेत्राधिकारी से मांग की है कि घटना की निष्पक्ष जांच कराकर नामजद आरोपितों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अब सवाल यह है कि गंभीर चोट, क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल और रुपये छीनने के आरोपों की पुलिस कितनी गंभीरता से जांच करती है और पीड़ित को कब तक न्याय मिल पाता है। फिलहाल मामले में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और पुलिस का पक्ष सामने आना बाकी है।

गोमती नदी पुल से साइकिल समेत अज्ञात युवक ने लगाई छलांग, इलाके में मचा हड़कंप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चंदवक थाना क्षेत्र में गोमती नदी पर बने पुल से एक अज्ञात युवक द्वारा साइकिल समेत नदी में छलांग लगाने की घटना सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। दिनदहाड़े हुई इस घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के क्षेत्रों में चर्चा फैल गई और घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, एक अज्ञात युवक अपनी साइकिल लेकर गोमती नदी पुल पर पहुंचा और अचानक साइकिल समेत नदी में छलांग लगा दी। युवक को नदी में कूदता देख आसपास मौजूद लोग सकते में आ गए। घटना के बाद तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही चंदवक थाना

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शुरू कराया तलाश अभियान, युवक की पहचान और नदी में कूदने के कारणों का पता लगाने में जुटी पुलिस

पुलिस मौके पर पहुंच गई और युवक की तलाश के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू करा दी।

घटना को लेकर स्थानीय लोगों में तरह-तरह की चचाएं होती रहीं। हालांकि, युवक कौन था, वह कहां का रहने वाला था और किन परिस्थितियों में उसने नदी में छलांग लगाई, इस संबंध में अभी कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। उसकी साइकिल को लेकर भी लोगों में उत्सुकता बनी हुई है।

पुलिस मामले की छानबीन कर रही है और युवक की पहचान करने के साथ ही नदी में उसकी तलाश कराने में जुटी है। घटना के बाद क्षेत्र में चिंता का माहौल बना हुआ है। फिलहाल युवक के संबंध में पुलिस की ओर से किसी आधिकारिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

46 साल से समाजवादी विचारधारा के साथ खड़े हैं महेंद्र यादव, बदलापुर में मिशन 2027 की तैयारी तेज

शुभम कुमार यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं बदलापुर विधानसभा क्षेत्र के महेंद्र यादव इन दिनों क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने और मिशन 2027 की तैयारियों को लेकर चर्चा में हैं। पार्टी कार्यकताओं के बीच उनकी पहचान एक पुराने, जमीनी और संघर्षशील समाजवादी नेता के रूप में बताई जा रही है।



प्रचार सामग्री के अनुसार, महेंद्र यादव वर्ष 1980 से समाजवादी विचारधारा से जुड़े हुए हैं। लगभग 46 वर्षों के राजनीतिक सफर में उन्होंने संगठन और कार्यकताओं के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। बताया जाता है कि उन्होंने बिना किसी पद और स्वार्थ की अपेक्षा किए संगठन को मजबूत करने तथा आम जनता के सुख-दुख में शामिल रहने का प्रयास किया है।

उनके समर्थकों का कहना है कि महेंद्र यादव ने हमेशा जमीनी कार्यकताओं को प्राथमिकता दी है और संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज भी वह गांव-गांव और बूथ स्तर तक कार्यकताओं को जोड़ने में सक्रिय हैं।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से कार्यकताओं में नई ऊर्जा भरने का प्रयास किया जा रहा है। समर्थकों ने राष्ट्रीय नेतृत्व से अपील की है कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में बदलापुर विधानसभा क्षेत्र के पुराने और समर्पित समाजवादी सिपाही महेंद्र यादव को अवसर दिया जाए, ताकि उनके लंबे राजनीतिक अनुभव और संगठन के प्रति समर्पण का लाभ पार्टी को मिल सके।

समर्थकों का कहना है कि 2027 का चुनाव केवल एक टिकट की लड़ाई नहीं, बल्कि वर्षों से पार्टी के लिए संघर्ष करने वाले कार्यकताओं के सम्मान का सवाल भी है।

मुलायम सिंह यादव की जयंती पर सपा नेता तनुज पांडेय ने निकाली बाइक रैली

महराजगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्व.



मुलायम सिंह यादव की जयंती के अवसर पर बदलापुर विधानसभा क्षेत्र-364 से सपा नेता तनुज पांडेय के नेतृत्व में बाइक रैली निकाली गई। रैली की शुरूआत उनके निवास स्थान आशामधुपुर से हुई। इसके बाद बाइक रैली पूरालाल, सिंगरामऊ, बदलापुर और उसरा बाजार होते हुए महराजगंज तिराहे पर पहुंची, जहां कार्यकताओं ने आयोजित एक मैरिज हाल में नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। रैली की शुरूवात और समापन के दौरान बैंड-बाजे के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर सपा विधानसभा बदलापुर अध्यक्ष रामजतन यादव, नेहा मिश्रा समेत सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन के बाद सपा नेता तनुज पाण्डेय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने किसान, नौजवान और गरीब तबके के लोगों के हितों को भी प्राथमिकता देने की बात कही।

गौरतलब है कि तनुज पाण्डेय बदलापुर विधानसभा क्षेत्र से आगामी विधानसभा चुनाव में विधायक पद के दावेदार के रूप में भी जोरों से चर्चा में हैं।

शाहगंज में गड्ढों और धूल से सड़कें बदहाल

खुटहन मार्ग से रोडवेज तक दुकानदारों का कारोबार प्रभावित

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर में कई सड़कों पर गड्ढे हैं और उखड़ी गिट्टियों से धूल उड़ रही है। इससे राहगीरों और दुकानदारों को परेशानी हो रही है। दुकानों का सामान धूल से खराब हो रहा है और ग्राहक रुकने से कतराते हैं।

खुटहन मार्ग पर बरम बाबा के स्थान से संगीता हॉस्पिटल तक सड़क की हालत खराब है। स्थानीय दुकानदारों के मुताबिक, दिनभर धूल उड़ती रहती है। संगीता हॉस्पिटल के सामने बरसात में बने गड्ढों को दुकानदारों ने मिट्टी और पत्थर डालकर भरने की कोशिश की थी।

एक दुकानदार ने बताया कि गड्ढों के कारण कई बार हादसे हो चुके हैं। वाहनों के गुजरने से उड़ने वाली धूल सब्जियों पर जम जाती है। इससे सब्जियां बेचने में दिक्कत होती है।



मंदिर तिराहे से रोडवेज की ओर जाने वाली सड़क भी टूट गई है। इसकी मरम्मत दशहरे से एक दिन पहले कराई गई थी, लेकिन एक महीने भी नहीं टिक सकी।

इस मार्ग पर कई रेहड़ी-पटरी वाले फास्ट फूड की दुकानें लगाते हैं। सड़क की धूल दुकानों और खाने-पीने की चीजों पर पड़ती है। इससे कारोबार पर असर पड़ रहा है और खाद्य पदार्थों की साफ-सफाई को लेकर चिंता है।

जौनपुर पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल, तीन नए सीओ की तैनाती

144 पुलिस उपाधीक्षकों के तबादले, कई अधिकारियों को मिली नई जिम्मेदारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 144 पुलिस उपाधीक्षकों (सीओ) के तबादले की सूची जारी की गई है। इस फेरबदल के तहत जौनपुर में तीन नए पुलिस उपाधीक्षकों की तैनाती की गई है। इनमें नितिन कुमार, भूषण वर्मा और हर्ष पाण्डेय के नाम शामिल हैं। वहीं, जौनपुर में तैनात रहे परमानन्द कुशवाहा का सहारनपुर, गिरेन्द्र कुमार सिंह का गोरखपुर और प्रतिमा वर्मा का मुरादाबाद स्थानांतरण किया गया है। इसके अलावा दीपक दुबे के स्थानांतरण संबंधी विवरण में भी जौनपुर का उल्लेख किया गया है। प्रदेश स्तर पर हुए इस व्यापक फेरबदल से जौनपुर पुलिस विभाग में अधिकारियों की जिम्मेदारियों और तैनाती में बदलाव देखने को मिलेगा। नए अधिकारियों की तैनाती के साथ ही जिले की पुलिस व्यवस्था में भी नए समीकरण बनेंगे।

गौराकला में नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद का सम्मान कार्यक्रम

आयोजक कार्यक्रम की तैयारियां करने में जुटे, गणमान्य लोग शामिल होंगे

तेजीबाजार, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद विद्यासागर सोनकर के सम्मान में आज सोमवार को क्षेत्र के गौराकला गांव में कार्यक्रम होगा। समारोह सुबह 11 बजे शुरू होगा। कार्यक्रम में बदलापुर विधायक रमेश चंद्र मिश्रा, जौनपुर के पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह और नगर पालिका परिषद जौनपुर के प्रतिनिधि अध्यक्ष रामसूरत मौर्य विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समारोह की अध्यक्षता तेजीबाजार स्थित जय हिंद इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य अखिलेश चंद्र मिश्रा करेंगे। आयोजक कार्यक्रम की तैयारियां कर रहे हैं। आयोजकों में भाजपा किसान मोर्चा के जिला मंत्री रविंद्र प्रताप सिंह, डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. उपेंद्र प्रताप सिंह और सुमित्रा डेवलपर्स लखनऊ के डॉ. आयुष प्रताप सिंह शामिल हैं। आयोजकों ने क्षेत्र के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों से कार्यक्रम में पहुंचकर विद्यासागर सोनकर का स्वागत करने की अपील की है।



मुलायम सिंह यादव की जयंती पर तनुज पाण्डेय ने निकाली बाइक रैली

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्व. मुलायम सिंह यादव की जयंती के अवसर पर रविवार को बदलापुर विधानसभा क्षेत्र-364 में सपा नेता तनुज पाण्डेय के नेतृत्व में बाइक रैली निकाली गई। रैली की शुरूआत आशामधुपुर स्थित उनके आवास से हुई। बैंड-बाजे के साथ निकली बाइक रैली पूरालाल, सिंगरामऊ, बदलापुर और ऊसराबाजार होते हुए महराजगंज तिराहे पर पहुंची। यहां एक मैरिज हाल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। रैली में बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सपा नेता तनुज पाण्डेय ने कहा कि क्षेत्र का विकास उनकी प्राथमिकता है। शिक्षा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के साथ युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रयास किया जाएगा। उन्होंने किसानों, नौजवानों और गरीब वर्ग के हितों को भी प्राथमिकता देने की बात कही। इस मौके पर सपा बदलापुर विधानसभा अध्यक्ष रामजतन यादव, नेहा मिश्रा समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।



बदलापुर में स्वास्थ्य शिविर में 108 मरीजों का उपचार, चिकित्सकों ने जांच कर दवाएं दीं

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर तहसील परिसर में शनिवार को स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इसमें 108 मरीजों की जांच और उपचार किया गया। चिकित्सकों ने मरीजों को दवाएं भी दीं। शिविर स्वास्थ्य विभाग ने लगाया था। इसमें बदलापुर और तियरा क्षेत्र की संयुक्त टीम ने हिस्सा लिया। चिकित्सकों ने मरीजों को जरूरी सलाह दी और स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव व उपचार की जानकारी दी। इस दौरान प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. राकेश कुमार और स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। शिविर का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं देना और जरूरतमंद मरीजों को जांच, उपचार व दवाओं की सुविधा उपलब्ध कराना था। राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय कार्यालय, बदलापुर ने शनिवार शाम करीब 4 बजे प्रेस विज्ञप्ति जारी कर शिविर की जानकारी दी।



व्यापारी समाज देश का गौरव: बनवारीलाल कंछल

बोले- व्यापारियों के सम्मान और हितों की रक्षा के लिए संगठन प्रतिबद्ध

व्यापारियों ने बैठक में उठाईं समस्याएं, विनोद सेठ को बनाया गया प्रांतीय मंत्री

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल की विशेष बैठक जिलाध्यक्ष इंद्रभान सिंह 'इंदु' की अध्यक्षता में नगर स्थित होटल पूर्वांचल में आयोजित की गई। बैठक के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद बनवारीलाल कंछल रहे।

बैठक में जनपद की विभिन्न तहसीलों, नगरों और बाजार इकाइयों से पहुंचे पदाधिकारियों ने व्यापारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इसमें बाजारों में मूलभूत सुविधाओं की कमी, सुरक्षा व्यवस्था, अतिक्रमण, यातायात, बिजली, साफ-सफाई, जिला पंचायत द्वारा बाजारों में मनमाना शुल्क वसूली, खाद्य विभाग की सैंपलिंग के नाम पर उत्पीड़न और जीएसटी रिटर्न से जुड़ी समस्याएं शामिल रहीं।

मुख्य अतिथि बनवारीलाल कंछल ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि व्यापारी समाज देश का गौरव है। व्यापारियों के हितों की रक्षा और सम्मान के लिए संगठन सदैव संघर्ष करता रहेगा। उन्होंने समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों एवं शासन स्तर पर प्रभावी पहल करने का आश्वासन दिया।

जिलाध्यक्ष इंद्रभान सिंह 'इंदु' ने संगठन की एकजुटता पर जोर देते हुए पदाधिकारियों से व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रहने का आह्वान किया। इस दौरान शाहगंज तहसील के पटैला बाजार के प्रतिष्ठित व्यवसायी विनोद सेठ को प्रांतीय मंत्री मनोनीत किया गया। बैठक का संचालन जिला महामंत्री आरिफ हबीब ने किया। इस अवसर पर प्रांतीय मंत्री शकील अहमद, अब्दुल हक अंसारी, विजय गुप्ता, अरुण कमलापुरी, जीवन लाल अग्रहरि, डॉ. नरसिंह, लल्लन प्रताप सिंह, इकराम अंसारी, पवन गुप्ता, शिवचंद यादव, मुकेश जायसवाल सहित जनपद की विभिन्न बाजार एवं तहसील इकाइयों के अध्यक्ष, महामंत्री और सैकड़ों पदाधिकारी उपस्थित रहे।

युवक की संदिग्ध मौत से मचा हड़कंप

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। पवई, जिले के नरवारी गांव निवासी एक व्यक्ति ने अपने बेटे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत को लेकर हत्या की आशंका जताई है। इस संबंध में पिता रुदल बिंद ने थानाध्यक्ष को प्रार्थना पत्र देकर हरिमोहन नामक व्यक्ति के खिलाफ जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है।प्रार्थना पत्र के मुताबिक, 22 नवंबर 2026 की सुबह ग्राम प्रधान विजय ने फोन कर रुदल बिंद को सूचना दी कि उनके बेटे रविंदर के सिर में चोट लगी है और उसकी मौत हो चुकी है। बताया गया कि हरिमोहन निवासी ग्राम दियामपट्टी, थाना शाहगंज, जनपद जौनपुर ने ग्राम प्रधान को फोन कर यह जानकारी दी थी।रुदल बिंद का आरोप है कि घटना को लेकर उन्हें संदेह है कि उनके बेटे की हत्या की गई है। उन्होंने प्रार्थना पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि पहले ग्राम प्रधान के माध्यम से बेटे को हार्ट अटैक आने की बात बताई गई, जबकि बाद में सिर में चोट लगने की जानकारी दी गई। सूचना में अंतर होने के कारण पिता ने मामले को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है।

शाहगंज के नागरिक 30 नवंबर तक स्व-गणना करें: एसडीएम अंकुर वर्मा की अपील

ऑनलाइन जानकारी दर्ज करने पर मिलेगी विशिष्ट एसई आईडी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनगणना-2027 की तैयारी के तहत एसडीएम और उपजिला जनगणना अधिकारी अंकुर वर्मा ने नागरिकों से स्व-गणना करने की अपील की है। नागरिक 30 नवंबर तक परिवार और मकान की जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं।

स्व-गणना की प्रक्रिया 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक चलेगी। इसके लिए https://se.census.gov.in/ पोर्टल पर जानकारी भरनी होगी। प्रक्रिया पूरी होने पर हर परिवार को विशिष्ट एसई आईडी (Self Enumeration ID) मिलेगी। अंकुर वर्मा ने बताया कि 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 के बीच जनगणना प्रगणक घर-घर जाकर दर्ज जानकारी की जांच करेंगे। नागरिकों को प्रगणक को अपनी एसई आईडी देनी होगी। इसके जरिए स्व-गणना में दर्ज जानकारी की जांच कर उसे मुख्य जनगणना पोर्टल पर शामिल किया जाएगा।



उन्होंने नागरिकों से तय समय में स्व-गणना पूरी करने और प्रगणक के घर आने पर एसई आईडी देने की अपील की। उन्होंने कहा कि सही जानकारी से जनगणना के आंकड़े सटीक रखने में मदद मिलेगी।

टीबी मरीजों को दिया पोषाहार, डॉ.अंजू सिंह ने कहा- टीबी मुक्त भारत के लिए जागरूकता और सहयोग जरूरी

दिलशाद अहमद सानू

सिंगरामऊ, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति ने बदलापुर क्षेत्र के गोद लिए गए टीबी मरीजों को पोषाहार दिया। कार्यक्रम गौरीशंकर मंदिर स्थित संस्था के मुख्यालय पर हुआ। मरीजों को बीमारी के बारे में बताया गया और नियमित दवा लेने व पौष्टिक खाना खाने की सलाह दी गई।कार्यक्रम में संस्था प्रमुख डॉ. अंजू सिंह, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक वर्मा, बदलापुर के एसटीएस तरुण कुमार, संस्था पदाधिकारी विभा सिंह और कर्मचारी मौजूद रहे। डॉ. अंजू सिंह ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसके लिए



अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं, जिनमें जोश टीम भी शामिल है। उन्होंने कहा कि अभियान को सफल बनाने की जिम्मेदारी समाज के हर व्यक्ति की है। लोगों को जागरूकता फैलाने और टीबी मरीजों की मदद के लिए आगे आना चाहिए।डॉ. अभिषेक वर्मा ने मरीजों को तय समय पर दवा लेने और पौष्टिक आहार खाने की सलाह दी। उन्होंने डॉ. अंजू सिंह और उनकी टीम के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने बताया कि संस्था नियमित रूप से मरीजों को पोषाहार देने के साथ जागरूकता कार्यक्रम भी चलाती है। डॉ. वर्मा ने बदलते मौसम और ठंड की शुरूआत को देखते हुए स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की अपील की। एसटीएस तरुण कुमार ने मरीजों की अन्य समस्याएं सुनीं और उनका समाधान किया। कार्यक्रम का संचालन विभा सिंह ने किया।

दो दिवसीय विजयदशमी मेले का समापन

बदलापुर में चारों भाइयों का मिलन हुआ, कोतवाली परिसर में भरत मिलाप देखने जुटे श्रद्धालु

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शनिवार देर रात्रि दो दिवसीय विजयदशमी मेले का समापन हुआ। बदलापुर कोतवाली परिसर में भरत मिलाप के दौरान चारों भाइयों का मिलन हुआ। भगवान श्रीराम, माता जानकी और लक्ष्मण की झांकियां देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे।श्रीराम नाट्य समिति की झांकी मेला समिति और व्यापार मंडल के मंच पर पहुंची। वहां पदाधिकारियों ने भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और माता जानकी की आरती उतारकर स्वागत किया। इसके बाद झांकी बदलापुर कोतवाली परिसर पहुंची। वहां भरत और शत्रुघ्न भगवान श्रीराम और माता जानकी के आने का इंतजार कर रहे थे। फिर चारों भाइयों का मिलन हुआ।कोतवाली प्रभारी फूलचंद पांडेय और सिंगरामऊ थाना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश मौर्य ने पारंपरिक रीति-रिवाज से भरत मिलाप की रस्म पूरी कराई। दोनों थाना



प्रभारियों ने भगवान श्रीराम, माता जानकी, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान जी को माला पहनाई और पूजा-आरती की। मेले में सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पुलिसकर्मी तैनात रहे। मेले के समापन पर पूरे इलाके में धार्मिक माहौल रहा। इस मौके पर मिथिलेश सिंह, विनोद शर्मा, सत्यम सिंह, धनंजय सेठ, हरिलाल मोदनवाल, शीलचंद जायसवाल, रामसागर साहू, दयाशंकर निगम, प्रदीप त्यागी, चंद्रकांत गुप्ता, अंकित गुप्ता, मनोज निगम, किशोर गुप्ता और दीप सहित मेला समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सेवा कार्य के माध्यम से डॉ. हेमंत सांवरा को जन्मदिन की बधाई दी : प्रदीप पवार



वसई-विरार। पालघर जिले के सांसद डॉ. हेमंत सांवरा के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित खासदार स्पोर्ट्स फेस्टिवल के दौरान वसई-विरार महानगरपालिका के वार्ड क्रमांक 23 के नगरसेवक प्रदीपभाई नरसिंह पवार ने सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की मिसाल पेश की। उन्होंने सूखा प्रभावित नागरिकों की सहायता के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में 21 हजार रुपये का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित, सांसद डॉ. हेमंत सांवरा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उनकी मौजूदगी में प्रदीपभाई पवार ने मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए यह आर्थिक सहयोग सौंपा। प्रदीपभाई पवार ने इस पहल के माध्यम से संदेश दिया कि जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी केवल विकास कार्यों तक सीमित नहीं होती, बल्कि समाज के जरूरतमंद, पीड़ित और संकटग्रस्त नागरिकों की सहायता के लिए आगे आना भी उनका महत्वपूर्ण कर्तव्य है। उन्होंने अपने सामाजिक दायित्व को निभाते हुए जन्मदिन के अवसर को सेवा कार्य से जोड़कर जरूरतमंद लोगों की मदद का सराहनीय प्रयास किया। उनकी इस पहल से सामाजिक प्रतिबद्धता, जनसेवा के प्रति समर्पण और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय मिला। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भी इस सामाजिक पहल की सराहना की। जन्मदिन को सेवा और सहयोग के माध्यम से मनाने का यह प्रयास समाज के अन्य जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणादायक है।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद ने किया संगठन का विस्तार, जिला व तहसील स्तर पर सौंपी जिम्मेदारियां

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद (रजि.) की जिला इकाई जौनपुर की कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा के निदेर्शानुसार एवं उत्तर प्रदेश के प्रदेश सचिव तामीर हसन शीबू के मार्गदर्शन में जिलाध्यक्ष दानिश इकबाल ने जिला एवं तहसील स्तर पर संगठन का विस्तार करते हुए विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। इसके तहत जिला कार्यकारिणी के साथ मछलीशहर और सदर तहसील अध्यक्षों की भी नियुक्ति की गई है।

घोषित कार्यकारिणी में जज सिंह अन्ना को संरक्षक बनाया गया है। वेद प्रकाश शुक्ला और आकाश सोनी मोहम्मद दानिश सिद्दीकी, उमेश गुप्ता, को उपाध्यक्ष, विशाल गुप्ता को महासचिव तथा मोहम्मद कासिम और शाह आलम संगठन महामंत्री, संदीप



यादव आफताब अहमद संगठन मंत्री को जिम्मेदारी दी गई है। एडवोकेट अमित तिवारी, एडवोकेट नासिर सिद्दीकी को विधिक सलाहकार नियुक्त किया गया है। वहीं जिला सचिव सुरेंद्र कुमार, प्रियेश गुप्ता रूद्रा और आकाश सोनी सचिव और मोहम्मद अजमत, प्रशांत कुमार कन्नौजिया को सदस्य जिम्मेदारी सौंपी गई है।

तहसील स्तर पर मछलीशहर तहसील अध्यक्ष की जिम्मेदारी विशाल कुमार गौतम को, जबकि सदर तहसील अध्यक्ष देवयांशु सिंह को बनाया गया है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष दानिश इकबाल ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है। पत्रकार विषम परिस्थितियों में भी जनसमस्याओं को सामने लाने का कार्य करते हैं। ऐसे में पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश और प्रदेश सचिव तामीर हसन शीबू के मार्गदर्शन में परिषद को जौनपुर में मजबूत एवं सक्रिय बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। परिषद का उद्देश्य पत्रकारों के साथ होने वाले उत्पीड़न और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना तथा जरूरत पड़ने पर उन्हें उचित कानूनी सहयोग उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास करना है। जिलाध्यक्ष ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन की जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने और जिले के पत्रकारों को संगठन से जोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद को जौनपुर में एक मजबूत, सक्रिय और पत्रकार हितैषी संगठन के रूप में स्थापित किया जाएगा।

गरीब कन्या के विवाह में मददगार बने मुंद्रिका चौहान व आशा भानु प्रकाश राठी

15 हजार रुपये नकद व साड़ी देकर किया सहयोग



गाजीपुर। गरीब एवं जरूरतमंद परिवार की बेटी के विवाह में आर्थिक सहयोग कर मानवता और सामाजिक सरोकार की मिसाल पेश की गई। बाहरीपुर, जनपद मऊ निवासी देवचंद राजभर की पुत्री अंजू राजभर का शुभ विवाह आगामी 2 दिसंबर को होना सुनिश्चित है। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण विवाह की तैयारियों को लेकर परिजन काफी चिंतित थे। परिवार की परेशानी को देखते हुए श्रीमती आशा भानु प्रकाश राठी की ओर से कन्या के विवाह के लिए 15,000 रुपये नकद एवं एक साड़ी सहयोग स्वरूप प्रदान की गई। यह सहयोग राशि आम जनता पार्टी सोशलिस्ट के राष्ट्रीय सचिव मुंद्रिका चौहान के प्रतिनिधित्व में कन्या के परिवार को सौंपी गई। इस अवसर पर पत्रकार रमेश यादव भी उपस्थित रहे। इस दौरान कहा गया कि समाज में यदि कोई गरीब परिवार आर्थिक तंगी और लाचारी से जूझ रहा है, तो उसकी मदद के लिए मुंद्रिका चौहान एवं श्रीमती आशा भानु प्रकाश राठी सदैव आगे आने का प्रयास करेंगे। जरूरतमंदों की सहायता के लिए तन-मन-धन से सहयोग करने का संकल्प व्यक्त किया गया।

इंदौर के सरदाना सर देश के सबसे उच्च कोटि के शिक्षक



-प्रेम चंद मिश्रा

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर के देवास में स्थित सरदाना इंटरनेशनल स्कूल एवं कोचिंग के सर्वे में 81 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थियों ने माना है कि सरदाना सर के पढ़ाने का तरीका सबसे सरल और सटीक है, वे प्रत्येक टॉपिक को हिन्दी और इंग्लिश दोनों भाषाओं में धारा प्रवाह रूप से बहुत आसानी से प्रस्तुत करते हैं जिससे कमजोर-से-कमजोर विद्यार्थी को भी उनकी पढ़ाई हुई बात समझ में आ जाती है। हर टॉपिक पर वो इतना अधिक ज्ञान देते हैं, जिसकी कहीं और कल्पना भी नहीं की जा सकती है। जिस टॉपिक पर कोई और टीचर मात्र 5 से 10 मिनट पढ़ा पाता है उस पर सरदाना सर 50 से 60 मिनट का लैक्चर दे देते हैं। एक ही प्रश्न के हल करने की कई सारी विधियां सरदाना सर समझाते हैं। इनके लैक्चर को देखने के पश्चात ही पूरा टॉपिक छात्रों को समझ में आ जाता है और उन्हें कोई भी किताब हल करने की आवश्यकता नहीं रहती। कई विद्यार्थियों ने बताया कि हमारे दिमाग में जो भी डाऊट्स उभर कर आते हैं, पता नहीं सरदाना सर को वो कैसे पहले से पता चल जाते हैं। और वे अपने लैक्चर्स के दौरान उन डाउट्स का समाधान करते हैं। अभिभावक कहते हैं कि सरदाना हर के पास बच्चों को भेजने के बाद हमारे बच्चों के रिजल्ट में बहुत ही सुधार हुआ है। सरदाना सर संभवतः पूरे भारत में एकलौते शिक्षक हैं जो फिजिक्स, कैमेस्ट्री और मैथेमेटिक्स तीनों ही विषय स्कूल लेवल से आईआईटी के लेवल तक पढ़ाते हैं। सरदाना सर और मैडम से सामंजस्य बैठ जाने के बाद रिजल्ट बनाना बहुत आसान हो जाता है। सरदाना सर के विद्यालय पर खेल कूद की बहुत ही अच्छी व्यवस्था है। विद्यालय में छात्रावास (बोर्डिंग) , साफ सफाई व हाई-फाई कैमरे की अति सुन्दर व्यवस्था है। देश के विभिन्न राज्यों से छात्र छात्राएं प्रवेश लेने के लिए आते हैं।

वसई-विरार को मिलेगी आधुनिक एसी इलेक्ट्रिक बस सेवा : राजन नाईक



वसई-विरार। शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, सुविधाजनक और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। पीएम ई-बस सेवा योजना के अंतर्गत वसई-विरार महानगरपालिका की परिवहन सेवा के लिए स्वीकृत कुल 100 इलेक्ट्रिक बसों में से 43 बसें शहर में पहुंच चुकी हैं, जबकि शेष 57 बसें जल्द ही उपलब्ध होंगी। यह जानकारी विधायक राजन नाईक ने दी। उन्होंने बताया कि सभी बसें वातानुकूलित (एसी) होंगी और जल्द ही वसई-विरार की सड़कों पर यात्रियों की सेवा में शुरू की जाएंगी। इन बसों के संचालन से नागरिकों को आरामदायक, आधुनिक और प्रदूषण मुक्त सार्वजनिक परिवहन सुविधा मिलेगी। साथ ही शहर की परिवहन व्यवस्था को भी नई मजबूती मिलेगी।

विधायक राजन नाईक ने बताया कि वसई-विरार में मानसून के दौरान जलभराव और बाढ़ जैसी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इलेक्ट्रिक बसों के बैटरी पैक की तकनीकी संरचना को लेकर विशेष मांग उठाई गई थी। यात्रियों की सुरक्षा, बस सेवा की विश्वसनीयता और शहर की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के समक्ष यह विषय रखा गया और लगातार फॉलोअप किया गया। इस प्रयास को सकारात्मक सफलता मिली है और अब पहली खेप में 43 इलेक्ट्रिक बसें वसई-विरार पहुंच चुकी हैं। शेष बसों के आने के बाद परिवहन सेवा का विस्तार होगा और नागरिकों को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। राजन नाईक ने कहा कि वसई-विरार के नागरिकों की सुविधा, शहर के विकास और सुरक्षित एवं आधुनिक परिवहन व्यवस्था के लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे। उनका उद्देश्य वसई-विरार को बेहतर सार्वजनिक सुविधाओं वाला विकसित शहर बनाना है।

खासदार क्रीड़ा महोत्सव-2026 में पूर्व विधायक श्रीनिवास वनगा भाजपा में शामिल



पालघर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में पालघर जिले में हो रहे विकास कार्यों के बीच भाजपा संगठन का विस्तार जारी है। इसी क्रम में पालघर जिले के पूर्व विधायक श्रीनिवास वनगा ने अपने समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी में प्रवेश किया। यह पार्टी प्रवेश खासदार क्रीड़ा महोत्सव-2026 के कार्यक्रम के दौरान संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्रीनिवास वनगा के साथ जिला सदस्य हबीब अहमद शेख (बेरीस्ते), ग्राम पंचायत सरपंच हीरामन मौले, नांदगांव ग्राम पंचायत के सरपंच अनंत मौले, रमेश कोरडे सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों और सैकड़ों कार्यकताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा नेताओं ने पार्टी में शामिल हुए सभी नए सदस्यों का स्वागत किया और उन्हें संगठन के साथ आगे की राजनीतिक एवं सामाजिक यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पालघर के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा, विधायक राजन नाईक, भाजपा प्रदेश महासचिव निरंजन डावखरे, प्रदेश महासचिव योगेश सागर, हरिश्चंद्र भोये, पूर्व विधायक श्रीनिवास वनगा, भाजपा पालघर जिला अध्यक्ष भरत राजपूत सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और खिलाड़ी उपस्थित रहे। खासदार क्रीड़ा महोत्सव के दौरान हुए इस राजनीतिक घटनाक्रम से पालघर जिले में भाजपा संगठन के विस्तार को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

इंडियन ऑइल ने मुंबई के जोश को दी ऊर्जा, डब्ल्यूएनसी नेवी हाफ मैराथन 2026 में करीब 23,000 धावकों ने लिया हिस्सा



मुंबई। दक्षिण मुंबई की सड़कें आज ऊर्जा, उत्साह और खेल भावना से भर उठीं। इंडियन ऑइल डब्ल्यूएनसी नेवी हाफ मैराथन 2026 के नौवें आयोजन में करीब 23,000 धावकों ने हिस्सा लिया। इस मैराथन का आयोजन मुंबई के क्रॉस मैदान में किया गया। भारतीय नौसेना और इंडियन ऑइल के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस दौड़ में पेशेवर धावकों, फिटनेस के शौकीनों, रक्षा बलों के जवानों और समाज के अलग-अलग वर्गों के लोगों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। इस आयोजन के जरिए फिटनेस, मेहनत और देश के प्रति गर्व की भावना का जश्न मनाया गया। 21 किमी हाफ मैराथन,10 किमी और 5 किमी की दौड़ को पश्चिमी नौसेना कमान के प्रमुख वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन, पीवीएसएम, एवीएसएम, एनएम, भारतीय नौसेना और इंडियन ऑइल के वरिष्ठ अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम ने खुद 21.1 किमी की मैराथन रिकॉर्ड समय में पूरी करके सभी के सामने एक शानदार उदाहरण पेश किया। दक्षिण मुंबई के प्रसिद्ध स्थानों से होकर गुजरने वाले इस खूबसूरत रूट ने दौड़ का उत्साह और बढ़ा दिया। इस मैराथन को 2026 का प्रतिष्ठित वर्ल्ड एथलेटिक्स लेबल रोड रेस का दर्जा मिला है। भारतीय नौसेना के साथ जुड़ाव इंडियन ऑइल के लिए बहुत गर्व की बात है। कई दशकों से इंडियन ऑइल भारतीय नौसेना को ऊर्जा की आपूर्ति करने वाली एक भरोसेमंद कंपनी के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है। भारतीय नौसेना के कामकाज के लिए जरूरी ऊर्जा उपलब्ध कराना और भारत के समुद्री हितों की रक्षा के लिए नौसेना के प्रयासों में सहयोग देना, कंपनी के लिए सम्मान की बात है। यह साझेदारी इंडियन ऑइल के नेशन फर्स्ट ' यानी 'देश सबसे पहले' के विचार को दर्शाती है। यह सोच सिर्फ कारोबार तक सीमित नहीं है, बल्कि कंपनी के काम का एक अहम हिस्सा है। इंडियन ऑइल डब्ल्यूएनसी नेवी हाफ मैराथन सेवा, हौसले और देश के प्रति गर्व की इसी साझा भावना का उत्सव है। इंडियन ऑइल की इस साझेदारी के महत्व पर बात करते हुए कंपनी के निदेशक (मार्केटिंग) सौमित्र पी. श्रीवास्तव ने कहा, इंडियन ऑइल डब्ल्यूएनसी नेवी हाफ मैराथन आज मुंबई के प्रमुख रनिंग इवेंट्स में से एक बन गई है। साल 2018 से इस आयोजन का हिस्सा होना हमारे लिए खुशी की बात है। शुरूआत में कुछ हजार धावकों से शुरू हुई इस मैराथन में साल 2026 में करीब 23,000 लोगों ने हिस्सा लिया। इस मैराथन की शानदार बढ़ोतरी और वर्ल्ड एथलेटिक्स लेबल रोड रेस का प्रतिष्ठित दर्जा मिलना यह दिखाता है कि दुनिया भर में भी इस आयोजन की पहचान बढ़ रही है। इंडियन ऑइल के लिए यह साझेदारी सिर्फ ब्रांड की पहचान बढ़ाने तक सीमित नहीं है। यह हमारे ग्राहकों, डीलरों, कर्मचारियों और अन्य सहयोगियों को एक साथ लाने और फिटनेस, मेहनत तथा आपसी जुड़ाव का जश्न मनाने का एक महत्वपूर्ण मंच है।

बोरीवली विधायक संजय उपाध्याय के नए जनसंपर्क कार्यालय सेवालय का उद्घाटन



मुंबई। बोरीवली विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक संजय उपाध्याय के नए जनसंपर्क कार्यालय सेवालय का उद्घाटन धार्मिक एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया। इस अवसर पर विधायक संजय उपाध्याय ने अपनी धर्मपत्नी के साथ गौ-पूजन कर गाय का आशीर्वाद प्राप्त किया। गौ-पूजन के माध्यम से भारतीय संस्कृति में गाय के पवित्र स्थान और गौ-सेवा के महत्व को सम्मान देते हुए जनसेवा के नए सफर की शुरूआत की गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने प्रार्थना की कि सेवालय के माध्यम से क्षेत्र की जनता की समस्याओं का समाधान हो तथा जनसेवा के कार्यों को नई दिशा मिले। विधायक संजय उपाध्याय ने कहा कि सेवालय केवल एक जनसंपर्क कार्यालय नहीं, बल्कि जनता की सेवा और उनके विश्वास का केंद्र है। इसका उद्देश्य क्षेत्र के नागरिकों से निरंतर संपर्क बनाए रखना और उनकी समस्याओं को सुनकर समाधान की दिशा में कार्य करना है। सेवालय जनता की सेवा के लिए, जनता के भरोसे के लिए।

इंदौर में वरिष्ठ नागरिकों के द्वारा दीपावली मिलन समारोह संपन्न



प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। दीपावली के उपलक्ष्य में सुदामा नगर व विश्वकर्मा नगर की ओर से रविवार, 22 नवंबर 2026 को विश्वकर्मा बगिचे क्षेत्र स्थित दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में वरिष्ठ नागरिकों ने शामिल हुए और एक-दूसरे को दीपावली, भाई दूज तथा छठ पूजा की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने आपसी मेल-मिलाप के साथ एक-दूसरे का कुशलक्षेम जाना और प्रेम, सौहार्द एवं सामाजिक एकजुटता के साथ त्योहार मनाने का संकल्प लिया। साथ ही समाज के लोगों के सुख दुःख में सहभागी बनने की भावना भी व्यक्त की। समारोह के दौरान वरिष्ठ लोगों में अधिवक्ता संतोष मुंशीजी, दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, डीडी अग्रवाल, गोविंद प्रसाद सोनी, राजाराम गुप्ता,भरत हसंवाल, रमेश चंद्र शर्मा, सुरज सोनगढे, प्रोफेसर हरिशंकर पराशर, पारसजी नाटा, पुलिस टीआई गणेश गुप्ता, प्रमोद माथूर, जयनारायण असावा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

शताब्दी खेल महोत्सव: न्यूजीलैंड में भारतीय हॉकी का डंका, कबड्डी ने भी बांधा समां



ऑकलैंड। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल संबंधों के 100 वर्ष (1926-2026) पूरे होने के ऐतिहासिक उपलक्ष्य में ऑकलैंड के लॉयड एल्समोर पार्क में आयोजित शताब्दी खेल महोत्सव में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना दबदबा कायम रखा। महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की मौजूदगी में 1926 में हुए भारतीय सेना की टीम के पहले न्यूजीलैंड दौरे की याद में आयोजित 'स्लम्बरजोन इंडियन सेंटेनरी हॉकी सीरीज' को भारतीय राष्ट्रीय पुरुष हॉकी टीम ने 1-0 से जीतकर इतिहास रच दिया। कप्तान संजय राणा के नेतृत्व में खेली गई तीन मैचों की इस रोमांचक श्रृंखला के पहले टेस्ट में भारत ने मेजबान न्यूजीलैंड (ब्लैक स्टिक्स) को 3-2 से हराकर विजयी शुरूआत की। इसके बाद 21 और 22 नवंबर को खेले गए दूसरे और तीसरे मैच 2-2 की बराबरी पर छूटे, जिसके साथ भारत ने अजेय रहते हुए सीरीज अपने नाम कर ली। मुख्य सीरीज के समानांतर चल रहे द्विपक्षीय दौरे में भारतीय रक्षा बलों की संयुक्त टीम ने भी अपने उत्कृष्ट खेल से सभी को प्रभावित किया। भारतीय सैन्य टीम ने अपने दौरे के चौथे मुकाबले में न्यूजीलैंड इंडियंस पुरुष टीम को 3-1 से करारी शिकस्त दी। इससे पहले भारतीय रक्षा बलों की टीम वेलिंगटन सेलेक्शन (7-3) और न्यूजीलैंड डिफेंस फोर्स (4-1) को भी हरा चुकी है। न्यूजीलैंड स्थित भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, खेल के जरिए एकता के 100 साल! अजेय रहने का सिलसिला जारी है! भारतीय रक्षा बलों की संयुक्त टीम ने अपने द्विपक्षीय दौरे के चौथे मैच में न्यूजीलैंड इंडियंस पुरुष टीम के खिलाफ 3-1 से शानदार जीत दर्ज की। मैच का समापन बहुत ही सौहार्दपूर्ण माहौल में हुआ, जहां दोनों टीमों ने एक-दूसरे के साथ तस्वीरें खिंचवाईं और यादगार चिह्न साझा किए। यह पल हमारी साझा विरासत, आपसी भाईचारे और खेल भावना का जश्न मनाने वाला रहा! हॉकी के इस महाकुंभ के बीच पारंपरिक भारतीय खेल कबड्डी का रोमांच भी देखने को मिला। 21 नवंबर को आयोजित 'स्लम्बरजोन सेंटेनरी कबड्डी प्रदर्शनी मैच' में न्यूजीलैंड की स्थानीय माओरी महिलाओं की टीमों और भारतीय मूल की पुरुष टीमों ने हिस्सा लिया।

पालघर में खासदार क्रीड़ा महोत्सव-2026 में शामिल हुई विधायक स्नेहा दुबे पंडित



पालघर। पूर्व मंत्री स्वर्गीय विष्णु राम सावरा की स्मृति में स्थापित क्रीड़ा नगरी, एम.एन. दांडेकर हाई स्कूल प्लेग्राउंड, पालघर में आयोजित खासदार क्रीड़ा महोत्सव-2026 में विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने सहभागिता की। इस महोत्सव का आयोजन पालघर के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा की पहल पर किया गया। इस अवसर पर सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने कहा कि खेलों के माध्यम से युवा पीढ़ी को प्रोत्साहित करना उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए सबसे अच्छा निवेश है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं की प्रतिभा को मंच मिलता है और उनमें खेल भावना, अनुशासन एवं आत्मविश्वास विकसित होता है। पालघर जिले के सभी आठ तालुकों के स्कूलों, आश्रम स्कूलों और ग्रामीण क्षेत्रों के युवा खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना इस महोत्सव की विशेष उपलब्धि रही। प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम में सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा, विधायक स्नेहा दुबे पंडित, भाजपा के वरिष्ठ नेता बाबाजी कटोले, शाम भाऊ पाटकर, बोईसर विधानसभा अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, भाजपा वसई-विरार सिटी जिला महासचिव कपिल म्हात्रे, भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश आईटी सेल के सह-संयोजक केतन गांधी, मंडल अध्यक्ष आशीष जोशी, उदय शेट्टी, नगरसेवक प्रदीप पवार, नगरसेविका निम्मी निपुण दोशी, नगरसेविका अपर्णा पाटिल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, स्थानीय नागरिक और बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे। महोत्सव के माध्यम से युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने और आगे बढ़ने का अवसर मिला। उपस्थित अतिथियों ने आशा व्यक्त की कि जिले के खिलाड़ियों को भविष्य में भी ऐसे मंच मिलते रहेंगे और उनकी उपलब्धियां पालघर का नाम रोशन करेंगी।

विरार पूर्व में मंजूर विकास कार्यों का विधायक राजन नाईक ने किया निरीक्षण



विरार। विरार पूर्व में राज्य सरकार द्वारा मंजूर ओपन थिएटर एवं मल्टीपर्पज बिल्डिंग परियोजना के प्रस्तावित स्थल का नालासोपारा विधायक राजन नाईक ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों की योजना और निर्माण से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों से परियोजना की जानकारी प्राप्त की। इस परियोजना के माध्यम से क्षेत्र के नागरिकों को सांस्कृतिक, सामाजिक, शैक्षणिक एवं विभिन्न सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक बेहतर मंच उपलब्ध हो सकेगा। ओपन थिएटर और मल्टीपर्पज बिल्डिंग के निर्माण से स्थानीय नागरिकों, युवाओं और सामाजिक संस्थाओं को विभिन्न गतिविधियों के लिए सुविधाजनक स्थान मिलेगा। निरीक्षण के अवसर पर विधायक राजन नाईक के साथ विपक्ष के नेता मनोज पाटिल, पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, नगरसेवक नारायण मांजरेकर, हितेश जाधव, नगरसेविका डॉ. योगिता गवली, युवा मोर्चा जिला सचिव कु. उन्नति राउत तथा महानगरपालिका के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आधुनिक सुविधाओं से लैस होटल द रमिला हाइट्स का सगुना मोड़ में भव्य शुभारंभ

पटना। राजधानी के सगुना-खगौल रोड स्थित होटल द रमिला हाइट्स का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर होटल के सीएमडी शिवनंदन प्रसाद, मैनेजिंग डायरेक्टर रणधीर कुमार रंजन और जनरल मैनेजर शिवम कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर होटल का उद्घाटन किया। इस मौके पर होटल प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। शुभारंभ के अवसर पर आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सीएमडी शिवनंदन प्रसाद ने कहा कि होटल द रमिला हाइट्स का उद्देश्य पटना में लोगों को बेहतर आतिथ्य, आरामदायक ठहराव और उत्कृष्ट सेवाओं का अनुभव प्रदान करना है। होटल के मैनेजिंग डायरेक्टर रणधीर कुमार रंजन ने कहा कि होटल द रमिला हाइट्स को व्यावसायिक बैठकों, पारिवारिक समारोहों, सामाजिक आयोजनों और पर्यटकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि होटल के माध्यम से अतिथियों को आधुनिक सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण सेवा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। वहीं, जनरल मैनेजर शिवम कुमार सिंह ने होटल की सुविधाओं की जानकारी देते हुए बताया कि होटल में कुल 42 आधुनिक एवं आरामदायक कमरे, चार बैंक्वेट हॉल और एक बोर्ड रूम उपलब्ध हैं। इसके अलावा यहां रसा मल्टीक्यूजीन रेस्टोरेंट, फिटनेस सेंटर

समाजसेवक की बेटी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया



मुंबई। मुंबई स्थित घाटकोपर पूर्व रमाबाई कालोनी में रहने वाले समाजसेवक कल्लू गुप्ता की बेटी कियारा कल्लू गुप्ता का जन्मदिन काफी धूमधाम से मनाया गया। कियारा गुप्ता आज छठवें वर्ष में प्रवेश की है। जिसके उपलक्ष्य में कल एक कार्यक्रम का आयोजन श्री गुप्ता परिवार के सौजन्य से रखा गया। जिसमें क्षेत्र की कई जानी मानी हस्तियां स्थानीय समाजसेवक जनप्रतिनिधि व विभिन्न पार्टी के कार्यकर्ता व स्थानीय महिलाएं पुरुष उपस्थित रहकर केक काटा और कियारा गुप्ता को अपना आशीर्वाद दिया है। इस कार्यक्रम में आये हुए सभी मान्यवर लोगो का आभार मानने का काम श्रीमान व श्रीमती गुप्ता ने माना है।